ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या संवत्- 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 310 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
16 मई 2026 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
42.8 अधिकतम
27.8 न्यूनतम

Page-7

क्या डॉलर के वर्चस्व को बचाने की कोशिश है राष्ट्रपति ट्रम्प की चीन यात्रा?

जियो पॉलिटिकल

एनालिस्ट
राजेश सिरोठिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चीन यात्रा को यदि केवल व्यापारिक या कूटनीतिक नजरिये से देखा जाए, तो शायद तस्वीर अधूरी रह जाएगी। इस यात्रा के पीछे एक बड़ा आर्थिक और रणनीतिक सवाल भी छिपा है। क्या अमेरिका अब डॉलर के घटते वैश्विक वर्चस्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है?

दरअसल पिछले कुछ वर्षों में दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। खासकर ब्रिक्स देशों – चीन, रूस, भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका ने वैकल्पिक भुगतान व्यवस्थाओं और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देना शुरू किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों ने इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया।

रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों और स्विफ्ट सिस्टम से आंशिक

अलगाव के बाद चीन और रूस ने आपसी व्यापार में युआन और रूबल का इस्तेमाल बढ़ा दिया। ईरान पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए वैकल्पिक वित्तीय रास्ते तलाश रहा है। अब चीन, रूस और ईरान के बीच ऊर्जा व्यापार में डॉलर की भूमिका धीरे-धीरे कम होती दिखाई दे रही है। यही वह बिंदु है जहां ट्रम्प की चीन यात्रा बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। अमेरिका समझता है कि यदि दुनिया के बड़े ऊर्जा उत्पादक और उपभोक्ता देश डॉलर के विकल्प तलाशने लगे, तो अमेरिकी आर्थिक शक्ति की बुनियाद कमजोर हो सकती है।

समानांतर आर्थिक ढांचे का डर

अमेरिका यह भी समझता है कि यदि चीन, रूस, ईरान और कुछ खाड़ी देश मिलकर डॉलर आधारित व्यवस्था के समानांतर कोई स्थायी आर्थिक ढांचा खड़ा करने में सफल हो गए, तो आने वाले दशक में वैश्विक शक्ति संतुलन बदल सकता है। हालांकि यह भी सच है कि डॉलर को तुरंत चुनौती देना आसान नहीं है। दुनिया की अधिकांश विदेशी मुद्रा भंडार, अंतरराष्ट्रीय ऋण व्यवस्था और व्यापारिक अनुबंध अब भी डॉलर आधारित हैं। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बदलती हैं और जब बदलाव आता है तो उसका असर दशकों तक दिखाई देता है। संभवत: ट्रम्प की चीन यात्रा इसी बदलते आर्थिक भूगोल को समझने और अमेरिकी बढ़त को बचाए रखने की कोशिश का हिस्सा है। क्योंकि आने वाले समय में दुनिया की सबसे बड़ी लड़ाई शायद सीमाओं पर नहीं बल्कि मुद्रा, भुगतान व्यवस्था और आर्थिक नेटवर्क के भीतर लड़ी जाएगी।

दशकों से डॉलर केवल एक मुद्रा नहीं बल्कि अमेरिकी वैश्विक प्रभाव का सबसे बड़ा हथियार रहा है।

असल में 'पेट्रोडॉलर' व्यवस्था ने ही अमेरिका को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाए रखा। दुनिया के अधिकांश तेल सौदे डॉलर में होते रहे, जिससे डॉलर की वैश्विक मांग बनी रही। लेकिन अब चीन खाड़ी देशों के साथ युआन आधारित ऊर्जा व्यापार की दिशा में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है।

यदि यह प्रक्रिया तेज होती है, तो अमेरिका के लिए खतरा केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक भी होगा। क्योंकि डॉलर का कमजोर होना अमेरिकी प्रतिबंध नीति की प्रभावशीलता को भी कम कर देगा। आज अमेरिका किसी भी देश पर आर्थिक दबाव इसलिए बना पाता है क्योंकि वैश्विक बैंकिंग और भुगतान प्रणाली में डॉलर का प्रभुत्व है। चीन इसी व्यवस्था को चुनौती देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। डिजिटल युआन, वैकल्पिक भुगतान नेटवर्क और ब्रिक्स बैंक जैसे प्रयोग उसी रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं। यही कारण है कि ट्रम्प की चीन यात्रा केवल टैरिफ या व्यापार घाटे की बातचीत तक सीमित नहीं दिखती। इसके पीछे वैश्विक वित्तीय शक्ति संतुलन को बनाए रखने की चिंता भी छिपी दिखाई देती है।

कोलकाता-गुजरात, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

पेट्रोल के निर्यात पर 3 रुपए प्रति लीटर टैक्स लगा

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों के लिए नियमों में बदलाव किया है। सरकार ने पेट्रोल एक्सपोर्ट पर 3 रुपए प्रति लीटर का विंडफॉल टैक्स लगा दिया है। डीजल और जेट फ्यूल पर टैक्स घटाया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी हैं। भारत में तेल की कमी न हो, इसलिए यह फैसला लिया गया है।

नाइजीरिया में आईएसआईएस का नंबर-2 कमांडर बिलाल ढेर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि आईएसआईएस के शीर्ष नेता अबू-बिलाल को अमेरिकी और नाइजीरियाई सेनाओं ने इस्लामिक स्टेट समूह के एक वरिष्ठ नेता को मार गिराया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस सुनियोजित मिशन की सफलता की घोषणा करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे सक्रिय आतंकियों में से एक अल-मिनुकी अब खत्म हो चुका है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना और नाइजीरियाई सशस्त्र बलों ने एक संयुक्त और बेहद जटिल सैन्य अभियान में मार गिराया है। अबू-बिलाल अल-मिनुकी आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के वैश्विक स्तर पर दूसरे नंबर का शीर्ष नेता था।

सुप्रीम कोर्ट में NTA को भंग करने के लिए याचिका दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। NEET पेपर लीक मामले के बीच राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर एनटीए को भंग करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि मौजूदा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी, जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत बनाई गई है, उसे खत्म कर संसद के कानून के जरिए एक नई वैधानिक राष्ट्रीय परीक्षा संस्था बनाई जानी चाहिए। याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि संसद में कानून लाकर ऐसी नई राष्ट्रीय परीक्षा संस्था बनाई जाए, जिसके पास स्पष्ट कानूनी अधिकार हों, पारदर्शिता के सख्त नियम हों और जो सीधे संसद के प्रति जवाबदेह हो। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि देश की सबसे बड़ी परीक्षाओं का संचालन करने वाली संस्था के पास मजबूत कानूनी ढांचा और जवाबदेही व्यवस्था होना जरूरी है।

आज का कार्टून

खाने के लिए होटल के पास रुकी ऐसी बस में आग, खिड़कियों के कांच तोड़कर निकले यात्री

आंखों के सामने जिंदा जला चार साल का बेटा बिलखते पिता बोले...मेरा भविष्य जल गया

- बस में नहीं था इमरजेंसी गेट, मेन गेट भी नहीं खुला
- पहले जो फायर ब्रिगेड आई उसमें पानी ही नहीं था

भोपाल / शाजापुर, दोपहर मेट्रो

शाजापुर जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर नेशनल हाईवे पर देर शुक्रवार रात दिल दहला देने वाला हुआ। इंदौर से ग्वालियर जा रही एयरकंडीशन बस (MP-07 ZL 9090) में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। हादसे में शिवपुरी निवासी अभिषेक जैन का 4 वर्षीय मासूम बेटा अनय बस के भीतर ही जिंदा जल गया। बस में सवार यात्रियों और चश्मदीदों के मुताबिक, सफर के दौरान बस में से लगातार वायरिंग जलने की बदबू आ रही थी। महिला यात्री मालती शर्मा सहित अन्य लोगों ने इसकी शिकायत बस चालक से भी की थी, लेकिन उसने चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया।

रात करीब 12 बजे बस नेशनल हाईवे पर स्थित होटल जैन पथ पर रुकी। उस समय कुछ यात्री बस में बैठे हुए थे, जबकि कई यात्री नीचे उतरकर नाश्ता करने चले गए थे। करीब 5 मिनट बाद बस में आग लग गई। भगदड़ के बीच चार वर्षीय मासूम भीड़ में फंस गया। वह बाहर नहीं निकल सका।

हादसे के वक्त बस में 50 से अधिक यात्री सवार थे। आग लगते ही चीख-पुकार मच गई।

धू-धू कर जलती यात्री बस। इनसेट : मृतक अनय जैन।

बस में न तो कोई इमरजेंसी खिड़की थी और न ही आग बुझाने के लिए कोई अग्निशमन यंत्र मौजूद था। यहां तक कि बस का मुख्य दरवाजा भी नहीं खुल रहा था। ऐसे में स्थानीय लोगों की मदद से कांच और खिड़कियां तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला गया। इस अफरा तफरी के बीच ड्राइवर और क्लीनर मौके से फरार हो गए।

सीट के नीचे मिला मासूम का कंकाल

आग पर काबू पाने के बाद भी मासूम अन्य का कहीं पता नहीं चल रहा था। बच्चे को ढूंढने के लिए प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर जेसीबी मशीन बुलाई गई, जिसके पंजे से बस के गेट और खिड़कियां तोड़ी गईं। करीब दो घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद एक सीट के नीचे से मासूम का कंकाल बरामद हुआ, जिसे पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल शाजापुर भेजा गया। बिलखते हुए पिता अभिषेक जैन यही कहते रहे कि मेरा भविष्य जल गया।

जांच और मुआवजे की राजनीति से आगे बढ़कर भी कुछ कीजिए सरकार..

परत - दर - परत
अनिल शर्मा

मप्र की सड़कों पर दौड़ती कई यात्री बसें अब 'परिवहन साधन' नहीं, बल्कि चलती हुई मौत बन चुकी हैं। शाजापुर में मासूम बच्चे की बस में जिंदा जलकर मौत ने फिर साबित कर दिया कि प्रदेश में इंसानी जिंदगी की कीमत नेताओं के भाषणों से भी सस्ती हो चुकी है। हादसे होते हैं, लोग मरते हैं, सरकार मुआवजे का ऐलान करती है, जांच बैठती है और फिर सबकुछ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। यही प्रदेश का क्रूर सिस्टम है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसी बसें सड़कों पर चल कैसे रही हैं जिनमें न इमरजेंसी गेट है, न फायर सेफ्टी सिस्टम, न यात्रियों की सुरक्षा का कोई इंतजाम? क्या परिवहन विभाग सिर्फ वसूली का अड्डा बन चुका है? हर जिले में आरटीओ कार्यालय खुलेआम भ्रष्टाचार के प्रतीक बन चुके हैं, जहां फिटनेस के नाम पर मोटी रकम चलती है और मौत बांटने वाली बसों को परमिट मिल जाता है। जब हादसा होता है तो नेता कैमरों के सामने दुख जताते हैं, लेकिन कभी यह नहीं बताते कि जिन बसों में आग लगती है, वे फिटनेस टेस्ट में पास कैसे हो जाती हैं? आखिर कौन अधिकारी इन मौतों पर हस्ताक्षर करता है? जिन अफसरों की लापरवाही से बच्चे जिंदा जल रहे हैं, उन पर हत्या का मुकदमा क्यों नहीं दर्ज होता?

लगता है प्रदेश में जनता की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता ही नहीं है। सड़कें बदहाल हैं, ओवरलोड बसें धड़ल्ले से चल रही हैं, चालक थके हुए और कई बार नशे में वाहन दौड़ा रहे हैं। बस मालिकों और सिस्टम की सांठगांठ ने आम आदमी को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि हर बड़े हादसे के बाद कुछ दिन चेकिंग औपचारिकता होती है और फिर वही पुरानी लापरवाही शुरू हो जाती है। जिन बसों में एक छोटा सा फायर एक्सटिंग्विशर तक नहीं होता, वे सैकड़ों यात्रियों को लेकर हाईवे पर दौड़ती रहती हैं। क्या कोई रसूख़दार नेता या अफसर अपने बच्चे को ऐसी बस में बिठाएंगे? अगर नहीं, तो आम जनता को मौत के मुंह में क्यों धकेला जा रहा है? अब वक्त आ गया है कि सिर्फ जांच और मुआवजे की राजनीति बंद हो। जिन अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी की, उन्हें जेल भेजा जाए। बिना सुरक्षा मानकों वाली बसों को तुरंत जब्त किया जाए। वरना यह सिस्टम हर हादसे के बाद सिर्फ लाशें गिनेगा और मासूम बच्चे यूं ही जिंदा जलते रहेंगे।

मां वाग्देवी की हुई पूजा

हाईकोर्ट के फैसले के बाद भोजशाला में हनुमान चालीसा पाठ हुआ

धार, दोपहर मेट्रो। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने धार स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला परिसर को राजा भोज के समय का वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर माना है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष को यहां पूजा का अधिकार दे दिया है। फैसले के बाद शनिवार सुबह श्रद्धालुओं और अलग-अलग समितियों के पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण माहौल में भोजशाला पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना की। लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में रॉबर्ट वाड्रा को मिली जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। शिकोहपुर जमीन सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा को जमानत मिल गई।

इसके बाद उन्होंने कहा कि वे निडर हैं और कुछ छिपाना नहीं चाहते हैं, बस ईडी को झेलना है। उन्होंने कहा कि झेलने की क्षमता है, वह सबसे बड़ी चीज है। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, 'मुझे इस देश की न्यायिक व्यवस्था पर पूरा भरोसा है।

बंगाल के आसनसोल में पुलिस चौकी में तोड़फोड़-पथराव, आंसू गैस छोड़ी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में लाउडस्पीकर की आवाज कम करने के निर्देश के बाद शुक्रवार रात को तनाव फैल गया। रेलपार इलाके में भीड़ ने पुलिस चौकी में तोड़फोड़ और पथराव किया। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस प्रशासन ने राज्य सरकार के निर्देश पर आसनसोल के कई हिस्सों में लाउडस्पीकर की आवाज कम रखने को कहा था। इसी सिलसिले में दिन में रेलपार इलाके में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच बातचीत हुई थी। शाम को बड़ी संख्या में लोग पुलिस चौकी पहुंच गए। भीड़ ने चौकी पर पथराव किया। पुलिस और आम लोगों के वाहनों में तोड़फोड़ की। घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को चोट आई है।

मानसून जल्द, लेकिन सुपर अलनीनो से सूखा पड़ने की आशंका

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी। मौसम विभाग के मुताबिक इस बार मानसून तय समय से 4 दिन पहले 26 मई को केरलम पहुंच सकता है। हालांकि अमेरिकी मौसम एजेंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) के अनुसार इस साल सुपर अल नीनो का आना लगभग तय हो गया है। इससे, कमजोर मानसून, सूखे और हीटवेव की आशंका ज्यादा हो गई है। अल नीनो एक जलवायु घटना है, जो प्रशांत महासागर में पानी गर्म होने पर होती है। इससे मानसूनी हवाएं दिशा बदल देती हैं। इसके असर से भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में बारिश कम होगी और भीषण गर्मी पड़ेगी।

भारत में सामान्य रूप से मानसून की एंट्री 1 जून को केरलम से होती है। इस बार यह अन्य प्रदेशों में भी जल्द पहुंचेगा। राजस्थान में इसके 20 जून, मध्य प्रदेश में 12 जून, उत्तर प्रदेश में 18 जून और बिहार में 8-10 जून के बीच पहुंचने की संभावना है। गर्मी की बात करें तो राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड और विदर्भ में आज हीटवेव का अलर्ट है। इन राज्यों के कई जिलों में तापमान 46°C-47°C के बीच पहुंच सकता है। मध्य प्रदेश-विदर्भ में आज रात में भी लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है। महाराष्ट्र के अमरावती में अधिकतम तापमान 45.6°C दर्ज हुआ। राजस्थान के फलौदी में भी पारा 44.8°C रिकॉर्ड किया गया। भोपाल में पारा 42°C पार कर गया, जिससे यहां सड़कों पर डामर पिघलते देखा गया।

मेट्रो एंकर

चीफ जस्टिस सूर्यकांत का कड़ा रुख, बोले - सोशल मीडिया पोस्ट से होता है डिग्री पर संदेह

काले कोट में घूम रहे हजारों फर्जी वकील, सीबीआई जांच पर विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शुक्रवार ने दिल्ली में बड़ी संख्या में फर्जी वकीलों की मौजूदगी पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही कई वकीलों की एलएलबी डिग्रियों की सत्यता की जांच के लिए सीबीआई जांच के आदेश देने पर विचार कर रहे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच एक वकील की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दिल्ली हाईकोर्ट में सीनियर एडवोकेट पदनाम को लेकर शिकायत की गई थी।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कुछ वकीलों के सोशल मीडिया व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उनकी पोस्ट देखकर उनकी कानून की डिग्रियों की प्रामाणिकता पर गंभीर संदेह होता है। उन्होंने कहा, 'मैं किसी उचित मामले का इंतजार कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि सीबीआई दिल्ली के कई लोगों की एलएलबी डिग्रियों की जांच करे। तीस हजारी के कुछ लोग फेसबुक और सोशल मीडिया पर जिस तरह की बातें लिख रहे हैं, क्या उन्हें लगता है कि हम देख नहीं रहे?' उन्होंने बार काउंसिल ऑफ इंडिया पर भी तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि वह इस मामले में कुछ नहीं करेगी, क्योंकि 'वे आपस में मिले हुए हैं।' चीफ ने दावा किया कि 'हजारों लोग फर्जी तरीके से काले कोट पहनकर घूम रहे हैं।'

मुख्य न्यायाधीश ने न्यायपालिका पर लगातार हमले करने वालों को लेकर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे 'परजीवी' मौजूद हैं जो सिस्टम पर हमला करते रहते हैं। वकीलों को उनके साथ नहीं खड़ा होना चाहिए। 'कुछ लोग जिन्हें रोजगार नहीं मिलता, वे सोशल मीडिया एक्टिविस्ट, आरटीआई एक्टिविस्ट या मीडिया बनकर हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। और फिर आप लोग अवमानना याचिकाएं दाखिल करते हैं।

वर्चुअल सुनवाई की पहल

सुप्रीम कोर्ट ने ईंधन बचाने के उपायों के तहत कई प्रशासनिक कदम उठाए हैं । इनमें कुछ खास तरह के मामलों के लिए वर्चुअल सुनवाई जरूरी करना, जजों का कार-पूलिंग करना, और रजिस्ट्री स्टाफ़ के लिए कुछ हद तक 'वर्क-फ़्रॉम-होम' की व्यवस्था करना शामिल है। इन नए उपायों के तहत सोमवार और शुक्रवार जैसे 'मिसलेनियस दिनों' (विविध मामलों की सुनवाई के दिनों) पर लिस्टेड और कोर्ट के 'आंशिक कार्य दिवसों' के दौरान तय किए गए मामले अब अगले आदेश तक सिर्फ़ वीडियो-कॉन्फ़्रेंसिंग के ज़रिए ही सुने जाएंगे।

बंद पड़ी पुलिस चौकियां, बढ़ती चिंता: भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बनाई गई कई पुलिस चौकियां इन दिनों बंद पड़ी दिखाई दे रही हैं। शहर के अलग-अलग इलाकों में बनी पुलिस चौकियों पर ना तो पुलिसकर्मी मौजूद रहते हैं और ना ही आम लोगों की शिकायतें सुनी जा रही हैं। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी और असुरक्षा का माहौल बढ़ता जा रहा है। शहरवासियों का कहना है कि जिन चौकियों को अपराध नियंत्रण, ट्रैफिक व्यवस्था और आपात स्थिति में त्वरित सहायता के लिए बनाया गया था, वे अब केवल शोपीस बनकर रह गई हैं। कई चौकियों के बाहर ताले लटके रहते हैं, जबकि कुछ जगहों पर भवनों की हालत भी जर्जर होती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि रात के समय पुलिस चौकियों के बंद रहने से असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। चोरी, झगड़े और सड़क पर होने वाली घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि यदि चौकियां सक्रिय रहें तो कई वारदातों पर तुरंत नियंत्रण पाया जा सकता है।

प्रभावित हो रही ट्रैफिक व्यवस्था

भोपाल के कई व्यस्त क्षेत्रों में बनी चौकियों के निष्क्रिय होने से ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। प्रमुख चौराहों और बाजारों में पुलिस की मौजूदगी नहीं होने से वाहन चालक मनमानी करते दिखाई देते हैं, जिससे जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। नागरिकों ने पुलिस प्रशासन और गृह विभाग से मांग की है कि बंद पड़ी चौकियों को तत्काल शुरू किया जाए, वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था बनाई जाए। लोगों का कहना है कि राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होना बेहद जरूरी है, ताकि आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस कर सके।

राजधानी भोपाल में शातिर ठगों के बुलंद हैं हौसले

लिंक पर क्लिक करते ही फोन हैक, भोपाल में बैंक खाते से साफ हुए साढ़े 5 लाख रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की राजधानी भोपाल में शातिर ठगों के हौसले बुलंद हैं। शहर के दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में बुजुर्गों के साथ लाखों रुपए की ठगी की गई है। पहला मामला मिसरोद इलाके से सामने आया, जहां साइबर ठगों ने एसबीआई पेंशन कार्ड बनवाने के नाम पर एक रिटायर्ड बैंककर्मी को ठगी का शिकार बना लिया। आरोपियों ने लिंक भेजकर उनका मोबाइल हैक कर लिया और खाते से 5 लाख 44 हजार 912 रुपए निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, इलाके के इंडस टाउन में रहने वाले 67 वर्षीय विश्वनाथ सिंह तोमर भारतीय स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त हैं। उनका एसबीआई पेंशन कार्ड नहीं बना था। इसी संबंध में वह फेसबुक पर जानकारी तलाश रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक मैसेज मिला, जिसमें पेंशन कार्ड बनवाने की बात कही गई थी। मैसेज देखने के बाद उन्होंने दिए गए नंबर पर संपर्क किया। कुछ देर बाद आरोपी ने फोन कर भरोसा दिलाया कि उनका पेंशन कार्ड बन जाएगा। इसके बाद आरोपी ने वाट्एसेप पर एक लिंक भेजी और जरूरी दस्तावेज मंगवाए। दस्तावेज भेजने के कुछ देर बाद उनका मोबाइल गर्म होने लगा। उन्होंने फोन कुछ देर के लिए अलग रख दिया। बाद में मोबाइल देखने पर खाते से रकम कटने के लगातार मैसेज आने लगे। जांच करने पर पता चला कि खाते से कुल 5 लाख 44 हजार 912 रुपए निकाल

लिए गए हैं। घटना के बाद पीड़ित ने मिसरोद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अब साइबर ठगों की तलाश में जुटी है। राजधानी में लगातार साइबर क्राइम क मामले बढ़ते हैं। जालसाज बुजुर्गों और महिलाओं को अपना निशाना बना रहे हैं। पुलिस की साइबर टीम इन तक पहुंचने में नाकाम साबित हो रही है।

वहीं, ठगी का एक अन्य मामला भोपाल के ही निशातपुरा थाना क्षेत्र से सामने आया। साइबर ठगों ने निवेश के नाम पर एक रिटायर्ड कर्मचारी को लाखों रुपए का चूना लगा दिया। आरोपियों ने डालर में भारी मुनाफा दिलाने का लालच देकर बुजुर्ग दंपती से करीब 6 लाख 53 हजार रुपए की ठगी की है। यहां भी पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या है मामला

पुलिस के अनुसार, न्यू चौकसे नगर निवासी 64 वर्षीय सुनीता गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई है। उनके पति सुरेश गुप्ता शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हैं। दिसंबर 2025 में सुरेश गुप्ता के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से काल आया था। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को निवेश सलाहकार बताते हुए कहा कि यदि वे रकम निवेश करेंगे तो डालर में अच्छा रिटर्न मिलेगा और कम समय में मोटा मुनाफा कमाया जा सकेगा। शुरुआत में आरोपियों ने भरोसा जीतने के लिए कम रकम निवेश करवाई। इसके बाद लगातार अधिक फायदा होने का लालच देकर बड़ी रकम जमा कराते रहे।

जांच में जुटी पुलिस

मुनाफे की उम्मीद में सुरेश गुप्ता ने अपने बेटे और रिश्तेदारों से उधार लेकर भी रकम ट्रांसफर की। आरोपी बार-बार नई स्कीम बताकर और अधिक निवेश करने का दबाव बनाता रहा। काफी समय बीतने के बाद भी जब कोई रकम वापस नहीं मिली तो दंपती को ठगी का अहसास हुआ। आरोपियों ने सुनीता गुप्ता के खाते से कुल 6 लाख 53 हजार रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवाए।

माली खेड़ी में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही

सड़कों पर लटकते तार बन सकते है हादसे का कारण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के माली खेड़ी क्षेत्र में बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। इलाके की सड़कों पर खुलेआम बिजली के मीटर और डीपीओ लगे हुए हैं, जबकि बिजली के तार नीचे लटक रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन शॉर्ट सर्किट की घटनाएं हो रही हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद बिजली विभाग इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

क्षेत्रवासियों के अनुसार कई जगहों पर बिजली के तार इतने नीचे आ गए हैं कि राहगीरों और वाहन चालकों को खतरा बना रहता है। बारिश और तेज गर्मी के दौरान स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग द्वारा केवल औपचारिक कार्रवाई की जाती है, स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। माली खेड़ी के रहवासियों को बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या से भी लगातार जूझना पड़ रहा है। घंटों बिजली बंद रहने से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। गर्मी के मौसम में छोटे बच्चे, बुजुर्ग और मरीज सबसे अधिक परेशान हैं। लोगों का कहना है कि बिजली व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो चुकी है। क्षेत्र के

नागरिकों ने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि सड़कों पर लगे मीटर और डीपीओ को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए तथा लटकते तारों को तत्काल ठीक कराया जाए। रहवासियों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी सीधे बिजली विभाग की होगी।

भोपाल सेक्शन में ट्रैक होंगे ज्यादा मजबूत, रेलवे करेगा 1.26 करोड़ खर्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे विभाग भोपाल सेक्शन में रेल ट्रैक को अधिक मजबूत और सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत रेलवे ने रेल पटरियों के जोड़ों की आधुनिक तकनीक से वेल्डिंग और मरम्मत का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना पर करीब 1 करोड़ 26 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे अगले 12 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार सेक्शन में 60 किलो और 90 यूटीएस/आर-260 रेलों के जोड़ों पर एल्यूमिनोथर्मिक थरमिट (एटी) वेल्डिंग की जाएगी। इसके लिए सिंगल शॉट क्रूसिबल तकनीक का उपयोग होगा। परियोजना के तहत वेल्डिंग से जुड़ा आवश्यक उपकरण और सामग्री

भी उपलब्ध कराई जाएगी।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि लगातार दबाव और कंपन के कारण कई स्थानों पर रेल पटरियों के जोड़ कमजोर हो जाते हैं। इससे ट्रैक में दरार और झटकों की आशंका बनी रहती है। नई तकनीक से वेल्डिंग होने के बाद ट्रैक अधिक टिकाऊ और मजबूत बनेंगे।

यात्रियों को मिलेगा आरामदायक सफर

मजबूत ट्रैक बनने से ट्रेनों के संचालन में सुरक्षा बढ़ेगी और यात्रियों को सफर के दौरान कम कंपन महसूस होगा। रेलवे का मानना है कि इससे मालगाड़ियों और लंबी दूरी की ट्रेनों की आवाजाही भी अधिक सुगम होगी। साथ ही ट्रैक की बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम पड़ेगी और ट्रेनों की गति बनाए रखने में मदद मिलेगी।एल्यूमिनोथर्मिक थरमिट (एटी) वेल्डिंग रेलवे ट्रैक जोड़ने की आधुनिक तकनीक है। इसमें विशेष रासायनिक प्रक्रिया के माध्यम से दो रेल पटरियों को आपस में जोड़ा जाता है। इससे जोड़ अधिक मजबूत, टिकाऊ और लंबे समय तक सुरक्षित बने रहते हैं।

आत्महत्या की परिस्थितियों पर भी उठाए गंभीर सवाल

ट्विशा शर्मा के परिवार ने कहा हमें यहां न्याय की उम्मीद नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई त्विशा शर्मा की मौत के मामले में उनकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत दिए जाने पर सवाल उठाते हुए ट्विशा के परिजनों ने का कहना है कि उन्हें यहां न्याय की उम्मीद नहीं है। उनका कहना है की जिस दिन त्विशा का अंतिम संस्कार होना था उसी दिन उनकी गिरिबाला सिंह की जमानत पर सुनवाई रखी गई। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए जज गिरिबाला सिंह को 50 हजार के ब्रांड पर अग्रिम जमानत दे दी । कोर्ट ने माना कि ग्रेवाला सिंह की उम्र ज्यादा है । वे न्यायिक सेवा में रही है। उनके फरार होने की संभावना नही है। परिजनों का कहना है कि गिरिबाला सिंह मिडिएशन की मास्टर ट्रेनर हैं और उपभोगता फोरम में अध्यक्ष हैं। इन कार्यो के लिए अगर ये फिट हैं तो आपराधिक परिस्थितियों में न्यायालय इन्हें कैसे

मान रहा है।

इनको यदि उम्रदराज माना है तो आगे 60 साल के ऊपर वाले सभी व्यक्तियों को ऐसे मामलों में अग्रिम जमानत मिल जानी चाहिए। उल्लेखनीय होगा कि सुनवाई के दौरान कोर्ट परिसर में आखिर सेना के जवान भी पहुंचे थे। बताया जाता है कि उन्हें मृतका के मेजर भाई ने बुलाया था। क्योंकि सुनवाई के पूर्व कोर्ट में मजिस्ट्रेट चेम्बर के बाहर पीड़ित परिवार की महिलाओं और पुरुषों को वकीलों के झुण्ड में घेर लिया था। आरोप है कि उन पर भद्दे कमेंट किये जा रहे थे। मृतका के पिता को जूते से मारने को कहा जा रहा था। आत्महत्या बताई जा रही घटना को लेकर भी मृतका के परिवार वालों ने कई सवाल उठाए हैं। अगर यह सुसाइड है तो किया तो मृतका को फंदे से उतारकर दोनों माँ बेटे पहले फ्लोर से नीचे कैसे लाए। इसके बाद कार में भी बिठाया।

सास ने कहा मैं घर पर हूँ , ड्राइवर बेटे के साथ लड़की को लेकर हॉस्पिटल गया है । अचानक रात 10.20 मिनट पर ड्राइवर कहा से आया . पड़ोसियों से मदद क्यो नही ली गई सास अपनी बहू के साथ क्यों नही गई?

पुराने शहर में आग, लक्ष्मी टॉकीज के पास फल के ठेले जले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के लक्ष्मी टॉकीज स्थित सराए के पास शुक्रवार देर रात आग लग गई। आग फल के ठेलों में लगी। इससे अफरा-तफरी मच गई। उत्तर विधायक आतिफ अकील ने मौके पर मौजूद रहकर आग बुझवाई। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। लक्ष्मी टॉकीज स्थित सराए में ही विधायक अकील का घर भी है। आग लगने की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। दमकल के आने से पहले लोग आग पर काबू पाने में जुट गए। सराए में रखे फल से भरे हुए ठेले जले आगजनी में सराए में रखे फलों से भरे ठेले जल गए। निगम की दमकलें आने से पहले लोग आग बुझाने के लिए

दौड़ पड़े। आगजनी के दौरान ठेलों के टायर में ब्लास्ट होने लगा। इसलिए लोगों ने ठेलो को तुरंत बाहर किया। इससे कुछ लोगों के हाथ भी जल गए।

गाड़ियां जलने से बचीं जिस जगह आग लगी, उसके पास में ही कई गाड़ियां भी खड़ी थीं। इससे बड़ा हादसा होने का आंदेशा था। इसलिए लोगों ने गाड़ियों को बाहर निकाला और फिर आग बुझाई।

मेट्रो एंकर

स्वीकृत घरों में से 9 लाख से अधिक आवासों का निर्माण पूरा कर हितग्राहियों को चाबियां सौंपी

शहरी विकास में मप्र का देश में डंका: पीएम आवास योजना में मध्य प्रदेश प्रथम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश ने केंद्र सरकार की दो बेहद महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरे देश में बाजी मारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि मध्य प्रदेश 'प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)' और स्ट्रीट वेंडर्स को आत्मनिर्भर बनाने वाली 'पीएम स्वनिधि योजना' दोनों में ही देश में शीर्ष पायदान पर पहुंच गया है। प्रदेश में हर जरूरतमंद परिवार को पक्का घर और हर छोटे कारोबारी को संबल देने का संकल्प जमीनी स्तर पर तेजी से साकार हो रहा है।

इस बड़ी प्रशासनिक और विकासपरक उपलब्धि के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर से शिष्टाचार भेंट की। इस उच्च स्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना

के आगामी चरणों की रूपरेखा, नगरीय विकास के विभिन्न मुद्दों और आगामी उज्जैन सिंहस्थ के लिए विशेष पैकेज को लेकर विस्तृत व सकारात्मक चर्चा हुई।

मंजूर 10 लाख से अधिक घर, 98% का काम जमीन पर शुरू

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 10 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसमें से 98 प्रतिशत आवासों की 'ग्राउंडिंग' (यानी कागजों से इतर जमीन पर निर्माण कार्य शुरू होना) हो चुकी है, जो देश में सबसे अधिक है। विभाग के मुताबिक, यह बड़ी सफलता मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन, लगातार की जा रही निगरानी और समयबद्ध कार्ययोजना का सीधा परिणाम है।

9 लाख से ज्यादा परिवारों का गृह-प्रवेश पूरा

योजना के तहत अब तक 9 लाख से अधिक शहरी गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मकानों का निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर उन्हें चाबियां सौंपी जा चुकी हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के शहरी परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन देना है, जिसमें मध्य प्रदेश सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है।

जनसहयोग से जल संरक्षण कार्यों में अग्रणी बना है मप्र

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पानी को बचाने और सहेजने के लिए सरकार के साथ ही आम नागरिक भी सजग और सक्रिय हैं। इसी कारण मध्यप्रदेश केन्द्र सरकार द्वारा करवाए गए जल संरक्षण और जन संचयन के कार्यों में अग्रणी राज्य है। नर्मदा मिशन जैसी संस्थाएं जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। मध्यप्रदेश में सभी शासकीय विभाग पानी बचाने और लोगों को जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए मिलकर कार्य करने की भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अन्य अतिथियों ने परिसर स्थल में देशी उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

जल स्त्रोतों के संरक्षण के चल रहे काम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में कुंए, बावड़ियां, पोखर, नहर और अन्य जल स्त्रोतों एवं जल संरचनाओं के संरक्षण के कार्य चल रहे हैं। गुड़ी पड़वा से प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियां आगामी 30 जून तक निरंतर चलेंगी। इतनी लंबी अवधि के इस अभियान का उद्देश्य जल संरचनाओं को उपयोगी बनाना और पानी के प्रति जन जागृति बढ़ाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संवर्धन अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला है। प्रदेश में अनेक त्यौहार भी शासन-प्रशासन के साथ मिलकर मनाए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकास और विरासत के संरक्षण के आहवान पर मध्यप्रदेश अमल कर रहा है। पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि नदियों के उद्गम स्थलों के अवलोकन और उन्हें उपयोगी बनाए रखने की दिशा में पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग कार्य कर रहा है। ऐसे प्रयासों में सराहनीय जनभागीदारी मिल रही है।

मप्र में वाहनों का काफिला निकालने वाले नेता तलब

पीएम मोदी की अपील नहीं मानी, होंगे सवाल-जवाब, दिल्ली ने भी मांगी रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और वाहन काफिलों पर संयम की अपील की अनदेखी करने वाले भाजपा नेताओं पर अब सख्ती बढ़ गई है। प्रदेश में बड़े वाहन काफिलों के साथ रैलियां निकालने वाले नेताओं को 17 मई को भोपाल तलब किया गया है। संगठन और सरकार दोनों स्तर पर उनसे जवाब मांगा जाएगा।

दिल्ली स्थित भाजपा हाईकमान ने भी पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। दैनिक भास्कर ऐप ने 15 मई को पीएम की अपील के बावजूद नेताओं द्वारा वाहन रैलियां निकालने और कार्रवाई नहीं होने का मुद्दा उठाया था। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश भाजपा से जवाब मांगा।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री की 10 मई की अपील के बाद भी मध्य प्रदेश में 8-9 स्थानों पर बड़े वाहन काफिलों के साथ स्वागत रैलियां निकाली गईं। इसे सीधे पीएम की अपील की अवहेलना माना जा रहा है। प्रदेश भाजपा ने तत्काल कदम उठाते हुए संबंधित नेताओं को 17 मई को भोपाल बुलाया है।

बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी और अन्य जिम्मेदार नेता मौजूद रहेंगे। नेताओं से पूछा जाएगा कि पीएम की अपील के बावजूद रैलियां क्यों निकाली गईं। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर आगे कार्रवाई भी हो सकती है।

इन नेताओं की रैलियों पर सवाल उठे, भोपाल तलब किया

- टिकेंद्र प्रताप सिंह (देवास जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष) - 200 गाड़ियों (कुछ वापस लौटीं) के साथ जिला कार्यालय पहुंचे।
- पवन पाटीदार (ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष) - 24 गाड़ियों का काफिला लेकर चंबल दौरे पर गए।
- वीरेंद्र गोयल (सिंगरौली विकास प्राधिकरण अध्यक्ष) - 30 से ज्यादा गाड़ियों का काफिला, खुद ई-रिक्शा में बैठे।
- रेखा यादव (महिला आयोग की अध्यक्ष) - छतरपुर में सैकड़ों लग्जरी गाड़ियों का काफिला निकाला, ट्रैफिक जाम हुआ।
- सत्येंद्र भूषण सिंह (लघु उद्योग निगम अध्यक्ष) - खुद ई-रिक्शा से आए, पर समर्थकों का बड़ा कार-बाइक काफिला साथ चला।
- राकेश सिंह जादौन (खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड उपाध्यक्ष) - ई-रिक्शा से पहुंचे, लेकिन पीछे काफिला होने की खबर है।
- 200 गाड़ियों का काफिला लेकर करैरा जाते पिछोर विधायक प्रीतम लोधी।
- 200 गाड़ियों का काफिला लेकर करैरा जाते पिछोर विधायक प्रीतम लोधी।

इन पर पहले ही हो चुकी है कार्रवाई

- सज्जन सिंह यादव (भिंड जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष) - सौ वाहनों के काफिले के साथ बग्घी पर सवार होकर रैली निकाली। नियुक्ति रद्द कर दी गई।
- सौभाग्य सिंह ठाकुर (मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम अध्यक्ष) - 700 गाड़ियों का काफिला लेकर उज्जैन से भोपाल आए। कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कुछ अधिकार छीन लिए गए।

मुख्यमंत्री ने काफिले से कम कर दिए 5 वाहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुद अपने काफिले से 5 वाहन कम कर दिए हैं। डिप्टी सीएम व अन्य मंत्रियों ने भी काफिले

में गाड़ियां कम की है। पार्टी अब इस बात पर जोर दे रही है कि प्रधानमंत्री की अपील सभी स्तरों पर लागू होनी चाहिए। 17 मई को भोपाल में होने वाली पूछताछ के बाद अनुशासनहीनता पाए जाने पर और कार्रवाई हो सकती है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी अनुशासन बनाए रखने के लिए किसी भी नेता को छूट

दतिया उपचुनावः आयोग ने कलेक्टर को भेजा पत्र

कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बुलाई बैठक, एक ही दिन में जारी हुए दोनों आदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दतिया में उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने तैयारी तेजी से शुरू कर दी है। शुक्रवार को मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने दतिया कलेक्टर को पत्र लिखा। चुनाव आयोग का पत्र मिलने के तुरंत बाद दतिया कलेक्टर ने भी जिले के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पत्र लिखकर ईवीएम और वीवीपीएट मशीनों की फर्स्ट लेवल चेकिंग में शामिल होने का आमंत्रण भेज दिया।

दतिया विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए EVM-VVPAT मशीनों की फर्स्ट लेवल चेकिंग कराने के निर्देश दिए गए हैं। दतिया जिले में 291 मतदान केंद्रों के लिए 200 प्रतिशत BU, CU और VVPAT मशीनों (लगभग 600-600-600) की तकनीकी जांच की जाएगी। यह प्रक्रिया 19 मई 2026 से शुरू होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, दतिया ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों को पत्र लिखकर स्त्रस्ष्ट में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। पत्र में कहा गया है कि लोकतंत्र की पारदर्शिता और विश्वसनीयता के लिए राजनीतिक दलों की सतर्क उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राजनीतिक दलों से मांगी ये जानकारी

- अधिकृत प्रतिनिधि का नाम, पदनाम और मोबाइल नंबर तत्काल उपलब्ध कराना।
- प्रतिनिधि का पासपोर्ट साइज फोटो और वैध पहचान पत्र की प्रति 18 मई 2026 तक जमा करना।
- दल के राज्य स्तरीय कार्यालय की ई-मेल आईडी उपलब्ध कराना।

एफएलसी पूरी होने पर बनेंगे प्रमाणपत्र

कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्त्रस्ष्ट की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए ब्ध्यरु इंजीनियरों, सुरक्षा व्यवस्था, स्ट्रांग रूम, वेबकास्टिंग, फ्रिस्किंग और अन्य मानक प्रोटोकॉल की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। Anne&ure-12 के अनुसार FLC हॉल की तैयारियों की जांच रिपोर्ट औरU Anne&ure-13 के अनुसार FLC पूरा होने पर प्रमाण-पत्र भी तैयार किए जाएंगे।

खनिज नियमों में बदलाव

25 किमी तक होंगे विकास कार्य डिजिटल होंगे पेमेंट, 70 % हिस्सा सीधे खनिज प्रभावित क्षेत्रों को

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार ने जिला खनिज प्रतिष्ठान (नियमों में बड़ा संशोधन किया है। सरकार ने तय किया है कि खदान अथवा खनन क्षेत्र से 15 किलोमीटर तक का क्षेत्र प्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र माना जाएगा, जबकि 25 किलोमीटर तक के क्षेत्र को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्र की श्रेणी में रखा जाएगा। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष विकास और कल्याणकारी योजनाएं लागू होंगी। नई व्यवस्था में जिला खनिज प्रतिष्ठान द्वारा किए जाने वाले भुगतान अब पूरी तरह डिजिटल माध्यम से किए जाएंगे। साथ ही योजनाओं की निगरानी और खर्च का लेखा-जोखा भी ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा।

पांच वर्षीय योजनाओं के तहत होगा काम- खनिज साधन विभाग द्वारा किए गए नियमों में बदलाव के बाद अब खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिए पांच वर्षीय और वार्षिक योजनाएं तैयार की जाएंगी, जिनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, स्वच्छता, महिला एवं बाल कल्याण, कौशल विकास और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

खनिज साधन विभाग की ओर से इसको लेकर किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार जिला खनिज प्रतिष्ठान की योजनाएं ग्राम सभा, पंचायत, नगरीय निकाय तथा प्रभावित समुदायों से मिले सुझावों के आधार पर बनाई जाएंगी। योजनाओं के निर्माण में प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों की सहायता भी ली जा सकेगी। पांच वर्षीय योजना का अनुमोदन जिला खनिज प्रतिष्ठान के मंडल द्वारा किया जाएगा तथा इसे जिले के पोर्टल पर सार्वजनिक किया जाएगा। इस व्यवस्था के बाद अब जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि का उपयोग अधिक व्यवस्थित और प्राथमिकता आधारित तरीके से किया जाएगा।

शिक्षा के क्षेत्र में होगा फोकस

सरकार ने स्पष्ट किया है कि खदान अथवा खनन क्षेत्र से 15 किलोमीटर तक का क्षेत्र प्रत्यक्ष खनन प्रभावित क्षेत्र माना जाएगा, जबकि 25 किलोमीटर तक के क्षेत्र को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्र की श्रेणी में रखा जाएगा। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष विकास और कल्याणकारी योजनाएं लागू होंगी। संशोधित नियमों में पेयजल आपूर्ति, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और स्कूल-कॉलेजों के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। खनन प्रभावित क्षेत्रों में अस्पताल, मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सकीय उपकरण और विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में छात्रावास, पुस्तकालय, ई-लर्निंग सुविधाएं और छात्रवृत्ति योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

मॉनिटरिंग समिति का किया गया गठन

सरकार ने निधि के उपयोग में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सभी भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा योजनाओं की निगरानी के लिए राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति का गठन भी किया गया है। समिति में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे, जो योजनाओं के क्रियान्वयन और वित्तीय उपयोग की समीक्षा करेंगे। राज्य स्तरीय समिति में मुख्य सचिव अध्यक्ष होंगे, जबकि प्रमुख सचिव वित्त, ग्रामीण विकास, लोक निर्माण विभाग, योजना, खान मंत्रालय भारत सरकार के नामिनेटेड सदस्य, प्रमुख सचिव खनिज साधन और समिति के अध्यक्ष की अनुमति से दूसरे विभागों के प्रमुख सचिव इसके सदस्य होंगे। प्रमुख सचिव खनिज साधन समिति के सदस्य सचिव होंगे।

11.54 लाख किसानों से 80.90 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का हुआ उपार्जन

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 11 लाख 54 हजार 593 किसानों से 80 लाख 90 हजार 864 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है की तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जा रहा है। मंत्री ाजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा उपार्जन की मॉनिटरिंग की जा रही है।

प्रदेश में 6.34 लाख शिकायतें अब भी लंबित हैं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से 35 लोगों की मृत्यु के बाद भी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में आई शिकायतों के निराकरण में गंभीर नहीं हो रहे हैं। अकेले पेयजल संबंधित शिकायतों की बात करें तो अप्रैल में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 6457 शिकायतें आईं जिनमें मात्र 35 प्रतिशत का ही निराकरण हो पाया।

इंदौर की घटना के बाद संचालनालय के स्तर पर सख्ती की जा रही है। आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास संकेत भोंडवे हर सप्ताह समीक्षा कर रहे हैं। पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही करने पर बुधवार को उन्होंने तीन मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निलंबित भी किया है।

सीएम हेल्पलाइन पर बड़ा सवाल

अप्रैल महीने में पेयजल से जुड़ी 6457 शिकायतें दर्ज, लेकिन सिर्फ 35फीसदी का ही निराकरण

विभाग का नाम	प्राप्त शिकायतें	गुणवत्ता के साथ निराकरण (%)
खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग	59,126	46.49%
ऊर्जा विभाग	55,180	44.88%
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग	54,276	36.48%
नगरीय विकास एवं आवास विभाग	54,257	37.69%
राजस्व विभाग	53,446	36.75%
गृह विभाग (पुलिस के विरुद्ध व अन्य)	42,779	43.74%
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (क्क।श्व)	28,490	7.47%
लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग	21,642	37.39%

छह लाख से अधिक शिकायतें लंबित

सीएम हेल्पलाइन में प्रारंभ से लेकर अभी तक तीन करोड़ 75 लाख शिकायतें आई हैं, जिनमें छह लाख 34 हजार का निराकरण अभी भी नहीं हो पाया है। एक इसमें एक लाख 60 हजार शिकायतें 50 दिन से अधिक समय से लंबित हैं। भोपाल जिले के विभिन्न विभागों में लंबित 22,615 शिकायतों में से 46 प्रतिशत 50 दिन से अधिक पुरानी हैं। किसी जिले में लंबित शिकायतों में यह सबसे बड़ी संख्या है।

अप्रैल में 4.39 लाख शिकायतें दर्ज- इसके पहले भी अनुशासनात्मक कार्रवाइयां की गई हैं, पर शिकायतें हल नहीं हो पा रही हैं। अब सीएम हेल्पलाइन (181) में आईं सभी शिकायतों को मिला लें तो अप्रैल में चार लाख 39 हजार शिकायतें आईं, जिनमें 39 प्रतिशत का ही निराकरण हो पाया। निपटारे में (बड़वानी 46 प्रतिशत) ग्रेड ए में है। यह जानकारी सीएम हेल्पलाइन डैशबोर्ड के अनुसार है।

मेट्रो एंकर

150 कॉलेजों के छात्र ऑनलाइन सीखेंगे बारीकियां

राजा मानसिंह तोमर संगीत विवि में खुलेगा खयाल गायकी केंद्र

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय एक बड़ा नवाचार करने जा रहा है। प्रदेश के एकमात्र संगीत विश्वविद्यालय में जल्द ही %खयाल गायकी केंद्र% की शुरुआत होगी। यह केंद्र न केवल पारंपरिक संगीत धरोहर के संरक्षण का माध्यम बनेगा, बल्कि आधुनिक तकनीक के जरिए विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराएगा। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रदेश भर के लगभग 150 महाविद्यालय के छात्र वर्चुअल माध्यम से कनेक्ट रहकर डिप्लोमा कर सकेंगे।

संगीत साधक गोहदकर के नाम पर होगा केंद्र

इस केंद्र का नामकरण हाल ही में दिवंगत हुए संगीत साधक पंडित प्रभाकर लक्ष्मण गोहदकर के नाम पर रखा जाएगा। उनका नाम विशेष रूप से ग्वालियर घराने की खयाल गायकी से जुड़ा रहा है। उन्होंने लंबे समय तक हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की साधना की और ग्वालियर की सांगीतिक विरासत को आगे बढ़ाने में योगदान दिया।

यह केंद्र शीघ्र की शुरू किए जाने की तैयारी है। यह ग्वालियर की ऐतिहासिक संगीत परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का काम करेगा। इससे युवा पीढ़ी में शास्त्रीय संगीत के प्रति रुचि बढ़ेगी और ग्वालियर एक बार फिर राष्ट्रीय संगीत मानचित्र पर मजबूत पहचान बना सकेगा। **-अरुण चौहान, कुलसचिव, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय**

विश्वविद्यालय प्रबंधन का मानना है कि ग्वालियर घराने की ऐतिहासिक पहचान को नई ऊर्जा देने के लिए यह केंद्र महत्वपूर्ण साबित होगा। खास बात यह है कि यहां विश्वविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों के साथ प्रदेशभर के बाहरी संगीत साधकों को भी प्रशिक्षण का अवसर दिया जाएगा। केंद्र में विद्यार्थियों को रागदारी, आलाप, तान, बंदिश, स्वर साधना और मंच प्रस्तुति की बारीकियों का अभ्यास कराया जाएगा। साथ ही तकनीक आधारित प्रशिक्षण से विद्यार्थी अपनी गायकी को रिकार्ड कर उसका विश्लेषण भी कर सकेंगे।

खयाल गायकी को समझें

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में खयाल गायकी को सबसे लोकप्रिय और अभिव्यक्तिपूर्ण शैली माना जाता है। खयाल शब्द का अर्थ होता है कल्पन। इस शैली में गायक राग के स्वरूप को अपनी कल्पनाशीलता, आलाप, तान और भाव के माध्यम से विस्तार देता है। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में खयाल गायकी मुख्य रूप से दो भागों में प्रस्तुत की जाती है- बड़ा खयाल और छोटा खयाल। दोनों का उद्देश्य राग को प्रस्तुत करना होता है, लेकिन शैली और गति में अंतर होता है।

देश के लिए शर्म की बात पेपर लीक

नीट परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए को सोशल मीडिया पर नेशनल ट्रॉमा एजेंसी या फिर नेशनल ठगी एजेंसी के नाम से संबोधित किया जा रहा है। दो साल पहले भी पेपर लीक हुआ था, लेकिन परीक्षा रद्द नहीं हुई थी। पुलिस पर भरोसा कमजोर होने के बाद सीबीआई हर बड़े मर्ज की दवा बन रही है। लेकिन पेपर लीक के पुराने मामलों में सीबीआई 90 दिन के भीतर आरोप पत्र दायर करने में विफल रही और मुख्य आरोपी को जमानत मिल गई। नकल माफिया को रोकने के लिए संसद से फरवरी 2024 में कानून बना था, जिसमें अधिकतम सजा 10 साल है। संसद से पारित वह कानून 2024 में नीट पेपर लीक कांड के बाद ही आनन-फानन में लागू किया गया था। व्यापम घोटाले से साफ है कि पुलिस और सीबीआई की लंबी जांच के बाद पीड़ित लोगों का भविष्य अंधेरी सुरंग के हवाले हो जाता है। जांच और न्यायिक प्रणाली पर डगमगाते भरोसे की वजह से सोशल मीडिया में कानून और प्रक्रिया को दरकिनार करके दोषियों के लिए फांसी की मांग हो रही है। व्हाट्सएप और टेलीग्राम से नीट के पेपरों का खुलेआम कारोबार होने के बावजूद पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां परीक्षा माफिया को समय पर नहीं रोक पाईं। नकल माफिया और सॉल्वर गैंग के बुलंद हौसलों से साफ है कि इस धंधे में जोखिम कम और लाभ ज्यादा हैं। राज्यों के चुनावों में जिस भ्रष्ट सिंडिकेट की बात की जा रही थी, उनसे जुड़े नेताओं को नकल, कोचिंग और सॉल्वर गैंग जैसे माफिया से खुराक मिलती है। परीक्षा में धन-बल के बढ़ते प्रभाव से धांधली के चलते शैक्षणिक अराजकता बढ़ रही है। अयोग्य और धनपशुओं के मेडिकल प्रोफेशन में आने से सामाजिक व्यवस्था का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। डॉक्टरी की प्रवेश परीक्षा में लगातार बढ़ रही धांधली, मक्कारी और पेपर लीक से लाखों परिवारों का सपना टूटने के साथ बच्चे मनोरोग और अन्य बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। छात्रों को हुई आर्थिक क्षति, मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न और शैक्षणिक नुकसान की भरपाई करने के बजाय एनटीए ने जख्मों पर नमक छिड़कते हुए कहा है कि नए सिरे से होने वाली परीक्षा के लिए छात्रों को दोबारा फीस नहीं देनी पड़ेगी। भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए संस्थागत सुधार जरूरी हैं। एनटीए फिलहाल 15 छोटी-बड़ी परीक्षाएं आयोजित कर रहा है। संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार, उनमें से कई विवादों और अनियमितताओं के घेरे में रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद गठित डॉ. राधाकृष्णन समिति की सिफारिश के अनुसार एनटीए को जेईई मेन, नीट-यूजी, सीयूईटीझयूजी और यूजीसी नेट जैसी चार बड़ी परीक्षाओं पर फोकस करना चाहिए। कम से कम मानवीय हस्तक्षेप होना चाहिए जिससे पेपर लीक की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। लेकिन एनटीए के पास फिलहाल एक चरण में सिर्फ डेढ़ लाख बच्चों के बैठने के लिए कंप्यूटर क्लासेज हैं और सभी उम्मीदवारों के लिए 15 से ज्यादा चरणों में परीक्षा आयोजित करना होगा।

कोर्ट का फैसला, धार से इंडोनेशिया और वॉशिंगटन तक गूंजती ज्ञान की संस्कृति

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

धार में भोजशाला मां सरस्वती के स्थल को लेकर न्यायालय का आज जो निर्णय आया है, वास्तव में यह उस सनातन चेतना की वैश्विक स्वीकृति है, जिसने हजारों वर्षों से ज्ञान, शिक्षा, कला और सभ्यता को दिशा दी है। दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया द्वारा अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में मां सरस्वती की 16 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करना इस बात का प्रमाण है कि ज्ञान की देवी किसी एक धर्म, जाति या देश की सीमाओं में बंधी नहीं हैं। कमल पर विराजमान वीणा वादिनी मां सरस्वती आज व्हाइट हाउस से कुछ दूरी पर खड़ी होकर पूरी दुनिया को बता रही हैं कि सभ्यताओं की असली शक्ति शस्त्रों में नहीं, शिक्षा और संस्कृति में होती है।

वस्तुतः भारत के मध्यप्रदेश के धार में स्थित भोजशाला को लेकर आया न्यायिक निर्णय एक बार फिर उस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सत्य को सामने लाता है, जिसे वर्षों तक विवादों और राजनीति के बीच दबाने का प्रयास किया गया। यह सिर्फ एक इमारत का प्रश्न नहीं है, सही मायनों में देखा जाए तो भारत की ज्ञान परंपरा, मां वाग्देवी की आराधना और सांस्कृतिक स्मृति का विषय है, जोकि भारत भूमि से विश्व के हर कोने तक पहुंचा है।

सनातन परंपरा में मां सरस्वती देवी होने के साथ ज्ञान की चेतना हैं। हाथों में वीणा कला का प्रतीक है, पुस्तक ज्ञान का, माला साधना का और श्वेत कमल पवित्रता का संदेश देता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले यह स्वीकार कर लिया था कि शिक्षा सिर्फ रोजगार का माध्यम नहीं है, यह तो मनुष्य को संस्कारित करने की प्रक्रिया है। यही कारण है कि मां सरस्वती की उपासना भारत में बच्चों की पहली शिक्षा से लेकर बड़े विद्वानों की साधना तक का हिस्सा रही है। इंडोनेशिया की लगभग 88 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है, जबकि हिंदुओं की संख्या मात्र तीन प्रतिशत के आसपास है। इसके बावजूद वहां की सरकार ने अमेरिका को मां सरस्वती की प्रतिमा उपहार स्वरूप देकर यह संदेश दिया कि शिक्षा और ज्ञान किसी एक रिलीजन, मत, पंथ (मजहब) की जागीर नहीं होते। इंडोनेशियाई दूतावास ने स्पष्ट कहा भी कि 'यह स्थापना धार्मिक प्रतीक से कहीं अधिक शिक्षा, सांस्कृतिक संवाद और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने का माध्यम है।' यही वह दृष्टि है, जिसने बाली की सांस्कृतिक विरासत को बचाकर रखा और हिंदू परंपराओं को सम्मान दिया।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने सरस्वती प्रतिमा के अनावरण के समय कहा भी कि यह प्रतिमा लोगों के दिल और दिमाग खोलने का काम करेगी और नफरत तथा गलतफहमियों को दूर करेगी। यह संदेश आज पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। धर्मों के संघर्ष, कट्टरता और सांस्कृतिक टकराव के इस दौर में मां सरस्वती का संदेश ज्ञान, संवाद और सह-अस्तित्व का संदेश है। यही कारण है कि अमेरिका जैसे देश में भी यह प्रतिमा लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रही है।

आज वॉशिंगटन में स्थापित प्रतिमा को लेकर कहना यही होगा कि यह इस बात का प्रतीक है कि विश्व अब उस भारतीय दर्शन को समझ रहा है, जिसने शिक्षा को ईश्वर का रूप माना। वहीं जब दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम बहुल देश सरस्वती को ज्ञान की सार्वभौमिक देवी के रूप में स्वीकार कर सकता है, तब भारत में अपनी ही सांस्कृतिक धरोहरों को लेकर संकोच और संघर्ष क्यों होना चाहिए? यही प्रश्न भोजशाला विवाद के केंद्र में भी आज खड़ा दिखाई देता है। भारत को भी अपनी शिक्षा और संस्कृति की इसी विरासत को नए आत्मविश्वास के साथ दुनिया के सामने रखना होगा। भोजशाला इसका जीवंत उदाहरण बन सकती है। उल्लेखित है कि धार की भोजशाला को लेकर लंबे समय से विवाद चलता रहा है। इतिहासकारों, पुरातत्वविदों और स्थानीय परंपराओं का एक बड़ा वर्ग इसे राजा भोज द्वारा स्थापित मां वाग्देवी के मंदिर और संस्कृत शिक्षा केंद्र के रूप में मानता रहा है। परमार वंश के महान राजा भोज शासक होने के साथ एक महान विद्वान, साहित्यकार और शिक्षा संरक्षक भी थे। उनकी राजधानी धार वर्षों तक भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रमुख केंद्र रही। भोजशाला में मां सरस्वती की आराधना होती थी और यहां विद्वानों की सभाएं लगती थीं। यही कारण है कि इसे 'विद्या की तपोभूमि' माना गया। यहां से प्राप्त शिलालेख, स्थापत्य शैली, स्तंभों की नक्काशी और संस्कृत अभिलेख इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि यह स्थान भारतीय ज्ञान परंपरा से गहराई से जुड़ा रहा है।

आज आए न्यायालयीन निर्णय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्टों ने भोजशाला के संबंध में कई महत्वपूर्ण तथ्यों को पुनः सामने रखा है। सर्वेक्षण में मंदिर स्थापत्य शैली, देवी-देवताओं से जुड़े चिह्न, कमल आकृतियां, संस्कृत शिलालेख और हिंदू प्रतीकों के प्रमाण मिले। यह भी स्पष्ट हुआ कि संरचना के कई हिस्से मूल हिंदू स्थापत्य पर आधारित हैं। इन प्रमाणों ने उस ऐतिहासिक धारणा को बल दिया कि भोजशाला मूलतः मां वाग्देवी का मंदिर और शिक्षा केंद्र थी। वर्षों तक इसे विवादित ढांचे के रूप में देखने की कोशिश हुई, किंतु अब पुरातात्विक तथ्य इतिहास की परतों को खोल रहे हैं। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके हथियारों या आर्थिक आंकड़ों में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना में होती है। भारत ने तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसी परंपराएं दुनिया को दीं। भोजशाला उसी गौरवशाली परंपरा की एक कड़ी है। मां सरस्वती का संदेश यही है कि ज्ञान विनम्रता देता है और विनम्रता समाज को जोड़ती है।

वॉशिंगटन में खड़ी मां सरस्वती की प्रतिमा और धार की भोजशाला का संघर्ष मिलकर मानो एक ही संदेश दे रहे हैं और वह यही है कि जो सभ्यता अपनी ज्ञान परंपरा को बचा लेती है, वही दुनिया का भविष्य तय करती है। दरअसल, इंडोनेशिया आज मुस्लिम बहुल होकर भी अपनी जड़ों से जुड़े रहकर वही कर रहा है जो भारत की ज्ञान परंपरा रही है, ऐसे में आज आए धार, भोजशाला के न्यायालयीन निर्णय ने बहुत दिनों बाद सरस्वती उपासकों को एक नई खुशी दी है, निश्चित ही इसका सर्वत्र आनन्द मनाया जाना चाहिए!

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

इतिहास में मील का पत्थर सेंट स्टीफंस कॉलेज राष्ट्राध्यक्षों और दिग्गजों का सेंटर बन गया सर्वश्रेष्ठ

विवेक शुक्ला
स्तंभकार

दिल्ली के चांदनी चौक के किनारी बाजार में 1 फरवरी 1881 में जब सेंट स्टीफंस कॉलेज की नींव रखी गई, तब किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि यह छोटा-सा संस्थान भारत का सबसे प्रतिष्ठित कॉलेज बन जाएगा। उस दिन सैमुअल स्कॉट एलनट (Samuel Scott Allnutt) इसके पहले प्रिंसिपल बने। एक साधारण शुरुआत के साथ चला यह सफर आज 147 वर्ष पूरे कर चुका है। इस लंबे अंतराल में कॉलेज को पहली बार एक महिला प्रिंसिपल मिली है। इनका नाम है सुजैन एलियास।

सेंट स्टीफंस कॉलेज न केवल संस्थान के इतिहास में एक मील का पत्थर है बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। सेंट स्टीफंस कॉलेज ने हमेशा दूरदर्शी, मेहनती और समर्पित प्रिंसिपलों का नेतृत्व पाया है। इनके मार्गदर्शन में कॉलेज ने न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल की बल्कि राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद, पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जिया-उल-हक जैसे राष्ट्राध्यक्षों सहित देश-विदेश के हर क्षेत्र में प्रभावशाली व्यक्तित्व तैयार किए। कॉलेज की यह विरासत आज भी प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

19वीं शताब्दी के अंत में दिल्ली उच्च शिक्षा के लिए उपेक्षित शहर था। एलनट ने दो किराए के कमरों में कॉलेज की शुरुआत की। शुरू में मात्र पांच छात्र और तीन शिक्षक थे। लेकिन एलनट की दूरदृष्टि अद्भुत थी। उन्होंने सिर्फ पढ़ाई पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया बल्कि गरीब, कमजोर और पिछड़े वर्ग के छात्रों को शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। कॉलेज को पंजाब विश्वविद्यालय से जोड़ा गया, जिससे इसका शैक्षणिक आधार मजबूत हुआ।

एलनट का योगदान केवल प्रशासनिक नहीं था। वे छात्रों के समग्र विकास के पक्षधर थे। उनकी मेहनत से छात्र संख्या तेजी से बढ़ी और संस्थान की नींव पक्की हुई। 1898 में उन्होंने प्रिंसिपल का पद छोड़ दिया, लेकिन उनका प्रभाव आज भी महसूस किया जाता है। हर वर्ष 7 दिसंबर को उनके निधन दिवस को 'फाउंडर्स डे' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन कॉलेज समुदाय उनके योगदान को याद करता है और नई पीढ़ी को प्रेरित करता है। सेंट स्टीफंस कॉलेज के इतिहास में सुशील कुमार रुद्रा एक पुराणपुरुष के समान हैं। 1906 से 1923 तक वे कॉलेज के प्रिंसिपल रहे और पहले भारतीय प्रिंसिपल बने। उस दौर में जब स्टाफ में अधिकांश अंग्रेज थे, एक भारतीय को इस पद पर नियुक्त करना स्वयं में एक क्रांतिकारी कदम था। रुद्रा महात्मा गांधी और दीनबंधु सी.एफ. एंड्रयूज के घनिष्ठ मित्र थे। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन का खुलकर समर्थन किया। 13 अप्रैल 1915 को गांधीजी पहली बार दिल्ली आए तो रुद्रा के निमंत्रण पर ही। गांधी दंपति उस समय कश्मीरी गेट स्थित रुद्रा के घर में ठहरे थे। आज उस इमारत में दिल्ली चुनाव आयोग का कार्यालय है। रुद्रा छात्रों के बीच 'बारासाहिब' के नाम से प्रसिद्ध थे। उन्होंने कॉलेज में नाइट स्कूल शुरू किया ताकि कर्मचारियों के बच्चे भी शिक्षा से वंचित न रहें।

वे खेलों के प्रेमी भी थे। दिल्ली जिला क्रिकेट संघ (DDCA) के संस्थापकों में शामिल रुद्रा ने खेल को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया। 1923 में रिटायरमेंट के बाद 1925 में उनका निधन हो गया। उनकी स्मृति में हर वर्ष 12 फरवरी को 'रुद्रा डिनर' का आयोजन किया जाता है। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (DBS) के प्रभारी ब्रदर सोलोमन जॉर्ज के अनुसार, 1877 में स्थापित ब्रदरहुड ऑफ दि एसेंशन ऑफ क्राइस्ट (जिसका बाद में नाम दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी पड़ा) आज भी कॉलेज का संचालन करती है। देश के बंटवारे के बाद दिल्ली लाखों शरणार्थियों की आमद का गवाह बनी। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में स्थित दिल्ली यूनिवर्सिटी कैंपस के आसपास शरणार्थी परिवार बसने लगे थे। एक दिन सेंट स्टीफंस के प्रिंसिपल प्रो. डगलस राजाराम और उनकी पत्नी नॉर्थ कैंपस के बाहर खड़े थे। उन्होंने कुछ बच्चे गमले तोड़ते देखे। पूछने पर बच्चों ने कहा, 'यहाँ स्कूल है ही नहीं।'

यह जवाब राजाराम को झकझोर गया। डीयू में उनकी अच्छी पहुंच का फायदा उठाते हुए उन्होंने तुरंत मौरिस नगर में एक छोटी जगह पर स्कूल शुरू कराया। वह स्कूल पिछले वर्ष अपनी 75वीं वर्षगांठ मना चुका है और अब बड़े कैंपस में संचालित हो रहा है। राजाराम स्वयं सेंट स्टीफंस के छात्र रह चुके थे। वे 1945 से 1960 तक कॉलेज के प्रिंसिपल रहे। उनके नेतृत्व में कॉलेज ने विभाजन के बाद की चुनौतियों का सामना किया और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा। एलनट ने नींव रखी, रुद्रा ने भारतीय स्वरूप दिया और राजाराम ने इसे मजबूत किया। इन तीन प्रिंसिपलों को सेंट स्टीफंस की आत्मा कहा जा सकता है। इनके अलावा भी अनेक प्रिंसिपलों ने कॉलेज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज जब पहली महिला प्रिंसिपल कॉलेज की बागडोर संभाल रही हैं, तो यह विरासत को नई दिशा देने का अवसर है। नई प्रिंसिपल सुजैन एलियास से अपेक्षा की जाती है कि वे शैक्षणिक उत्कृष्टता, समावेशिता और सामाजिक जिम्मेदारी को और मजबूत करें। कॉलेज की 145 वर्ष से अधिक की यात्रा साबित करती है कि शिक्षा सिर्फ डिग्री नहीं बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज सेंट स्टीफंस न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देश का गौरव है। यहां पढ़ने वाले छात्र न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करते हैं बल्कि मूल्यों, नैतिकता और नेतृत्व कौशल से लैस होकर बाहर निकलते हैं। पहली महिला प्रिंसिपल के नेतृत्व में कॉलेज नई पीढ़ी को प्रेरित करते हुए अपनी शताब्दी की विरासत को और समृद्ध करेगा।

यह बदलाव सिर्फ नाम का नहीं, बल्कि सोच का भी है। 1881 की उस साधारण शुरुआत से लेकर आज की आधुनिक शिक्षा व्यवस्था तक का सफर दिखाता है कि समर्पण, दूरदृष्टि और निरंतरता से कोई भी संस्थान ऊंचाइयों को छू सकता है। सेंट स्टीफंस की नई प्रिंसिपल से पूरे देश को उम्मीद है कि वे इस गौरवशाली परंपरा को नई ऊर्जा और समावेशी दृष्टिकोण के साथ आगे ले जाएंगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

इस मौसम में बचा हुआ खाना बन सकता है बीमारी की वजह, सुरक्षित स्टोरेज जरूरी

गर्मी के मौसम में तापमान बहुत बढ़ जाता है। इस मौसम में खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं। गर्म और नमी वाले मौसम में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। यही कारण है कि गर्मियों में पेट के इन्फेक्शन के मामले अधिक देखने को मिलते हैं। कई घरों में दिन का बना खाना रात में भी इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन दिन के बचे हुए खाने का इस्तेमाल कैसे करना है इसकी जानकारी होना जरूरी है।

गर्म तापमान में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। मिल्क प्रोडक्टस, पका हुआ चावल, सलाद, चिकन, फिश और स्ट्रीट फूड जैसे जल्दी खराब होने वाले फूड को अगर फ्रिज में न रखा जाए, तो लंबे समय तक बाहर रखने पर इनका सेवन हानिकारक हो सकता है। कई बार भोजन देखने और सूंघने में ठीक लगता है, लेकिन उसमें हानिकारक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। इसलिए लोग बिना जाने खराब भोजन खा लेते हैं और बीमार पड़ जाते हैं। गर्मी में साल्मोनेला, ई. कोलाई और स्टैफिलोकोकस जैसे बैक्टीरिया भोजन को दूषित कर सकते हैं। बासी और दूषित भोजन के सेवन से पेट में इन्फेक्शन हो सकता है। गंभीर मामलों में रोगी को लगातार उल्टी, मल में खून, डिहाइड्रेशन, चक्कर आना या बेहोशी हो सकती है। आमतौर पर पेट में इन्फेक्शन के जो लक्षण नजर आते हैं उनमे मतली-उल्टी, दस्त, पेट में ऐंठन, पेट दर्द, बुखार, कमजोरी-थकान, भूख न लगना, डिहाइड्रेशन और सिरदर्द शामिल हैं।

शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाएं: गर्मियों में पेट में इन्फेक्शन या फूड पॉइजनिंग की सबसे बड़ी समस्या डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी है। बार-बार उल्टी और दस्त होने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इससे कमजोरी, मुंह सूखना, चक्कर आना और लो ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों में डिहाइड्रेशन की स्थिति जल्दी गंभीर हो सकती है। कई लोग शुरुआती लक्षणों को हल्के में लेते हैं, जिसके कारण बीमारी और बढ़ सकती है। लंबे समय तक बाहर रखा हुआ बासी या बचा हुआ खाना खाने से बचें। पका हुआ भोजन तुरंत फ्रिज में रखें। ताकि अगर ये बचा भी हो तो ठंडक के कारण खराब नहीं होगा। जिससे इसे फिर से खाया जा सकता है। फलों और सब्जियों को खाने से पहले अच्छी तरह धो लें। साफ और सुरक्षित पानी पिएं। असामान्य गंध या स्वाद वाले भोजन का सेवन करने से बचें।

सुविचार

महान आशाएं महान व्यक्तियों का निर्माण करती हैं।
-अज्ञात

निशाना

कभी डर से कभी लिहाज से..!

अशेष श्रीवास्तव

दूर रहने से संबंध ख़त्म हो नहीं जाते
पास रहने से ही संबंध बन नहीं जाते
इच्छा करने से ही मंज़िल पा नहीं पाते
बिना चले मंज़िल कभी पहुँच नहीं पाते
एक रस्ते पे चलने से एक हो नहीं जाते
अहम के रहते हम किसी के हो नहीं पाते
कभी डर से कभी लिहाज़ से उबर नहीं पाते
सही को सही ग़लत को ग़लत कह नहीं पाते..
ह्रदय का प्रेम हो या बैर छुपाए छुप नहीं पाते
किसी का दिल भय या लोभ से जीत नहीं पाते..
ख़्वाहिशों का सिलसिला कभी मिटा नहीं पाते
बिना संतोष के हम शांति कभी पा नहीं पाते..

वायरल कंटेंट

एमपी पुलिस का कारनामा चर्चा में, हवालात में मुजरिम की जगह कैद दिखा मुर्गा

छतरपुर की अटकोन्हा पुलिस चौकी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अपराधियों के लिए बनी हवालात में एक मुर्गा बंद नजर आ रहा है। इस घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

ज्यादातर लोगों ने पुलिस थाने के हवालात में चोर-उचक्कों और अपराधियों को बंद देखा होगा, लेकिन हाल ही में एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जो किसी के भी होश उड़ा दे। इस वीडियो को देखने के बाद 'एमपी अजब है' वाली कहावत पूरी तरह चरितार्थ हो गई है। मामला छत्तरपुर के लवकुशनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली अटकोन्हा पुलिस चौकी का है, जहां अपराधियों को सजा देने के लिए बने बंदी गृह (लॉक-अप) में एक मुर्गे को कैद कर रखा गया। इस अनोखी 'गिरफ्तारी' का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही पुलिस विभाग की जमकर किरकिरी होने लगी है।

वायरल हो रहे 38 सेकंड के इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि लॉक-अप का दरवाजा बाहर से बंद है और उसके भीतर एक मुर्गा आराम से घूम रहा है। वीडियो बनाने वाला व्यक्ति पुलिस की व्यवस्था पर चुटकी लेते हुए कह रहा है कि यहां इंसानी अपराधियों की जगह पक्षियों को हवालात की हवा खिलाई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस मामले में बेहद गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चौकी के पुलिसकर्मियों ने रात में 'मुर्गा पार्टी' करने की योजना बनाई थी। आरोप है कि पार्टी के लिए किसी से मुर्गा मंगवाया गया था और वह कहीं भाग न जाए, इसलिए उसे सुरक्षित रखने के लिए लॉक-अप के भीतर बंद कर दिया गया।

ग्रामीणों ने यह भी दावा किया कि इस चौकी में अक्सर रात के समय पार्टियों का आयोजन होता है। एक तरफ थाना क्षेत्र में अपराधी तो खुलेआम बाहर घूमते हैं, तो दूसरी ओर पुलिस का ध्यान दावत के इंतजामों पर ज्यादा रहता है। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि क्या अब पुलिस का काम मुजरिमों को पकड़ना है या दावत के लिए मुर्गों को सुरक्षित करना। मामला तूल पकड़ते देख पुलिस के आला अधिकारियों ने इस पर संज्ञान लिया है। पुलिस कप्तान ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और आश्वासन दिया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

न्यू गेजेट्स

टर्बो 5 नाम से आएगी रेडमी की गेमिंग स्मार्टफोन सीरीज, अगले महीने लॉन्चिंग

शाओमी का सब-ब्रांड रेडमी अपनी परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड 'टर्बो' सीरीज भारत में पहली बार लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसका टीजर जारी किया है। फोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8500-अल्ट्रा चिपसेट के साथ आएगा। ये फोन चीन में लॉन्च हो चुका है, जहां इसकी शुरुआती कीमत युआन1,999 (करीब 28,200 रु) है। भारत में इसकी कीमत 45 हजार रुपए के आसपास रह सकती है और इसे 5 जून को पेश किया जा सकता है। यह वनप्लस नॉर्ड 6 और वीवो V70 FE जैसे स्मार्टफोन्स को टक्कर देगा।

परफॉर्मेंस के लिए फोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8500-अल्ट्रा चिपसेट दिया गया है। यह फोन खास तौर पर उन यूजर्स को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो गेमिंग और हैवी टास्क करते हैं। फोन में बेहतरीन थर्मल स्टेबिलिटी और गेमिंग परफॉर्मेंस मिलने की उम्मीद है। फोन में मेटल फ्रेम के साथ ग्लास बैक दिया गया है। ड्यूरेबिलिटी के मामले में भी यह फोन काफी एडवांस है। इसे धूल और पानी से बचाव के लिए IP66, IP68 और IP69K जैसी हाई रेटिंग्स मिली हैं। स्टोरेज की बात करें तो इसमें 16GB तक LPDDRzX रैम और 512GB तक की UFS 4.1 इंटरनल स्टोरेज दी गई है।

रेडमी टर्बो 5 की सबसे बड़ी खूबी इसकी 7560mAh की सिलिकॉन-कार्बन बैटरी है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बैटरी क्षमता 9000mAh तक भी हो सकती है। फोन को चार्ज करने के लिए 100W की वायर्ड फास्ट चार्जिंग और 27W की रिवर्स चार्जिंग का सपोर्ट मिलेगा।

6.59-इंच का 1.5K एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो 120Hz रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करता है। फोटोग्राफी के लिए इसके बैक पैनल पर ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन (OIS) के साथ 50MP का सोनी IMX882 प्राइमरी कैमरा मिलता है।

न्यूज विंडो

बैठक में आगामी कार्य योजना को लेकर की गई चर्चा

सिरोंज। एमपी नगर कॉलोनी स्थित शालीमार गार्डन में शुक्रवार को कांग्रेस की विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन गतिविधियों एवं आगामी कार्य योजना पर चर्चा हुई। बैठक में जिला प्रभारी राजेश रघुवंशी एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोहित रघुवंशी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान जिला प्रभारी राजेश रघुवंशी ने कहा कि अब नए सिरे से संगठन में कार्य करने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से विधानसभा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को यहां बुलाया गया है। आगामी समय में कार्यकर्ताओं की क्षमता अनुसार ही उन्हें कार्य सौंपे जाएंगे। कांग्रेस की इस बैठक में विधानसभा की पंचायत कमेटी अध्यक्षों को भी शामिल होना था लेकिन इनमें से अधिकतर नदारद रहे। इसको लेकर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि पंचायत कमेटियों के गठन का काम अभी गतिशील है। इस कारण से वे कम आ सके। बैठक में प्रदेश कांग्रेस सचिव विनोद सेन, राजकुमार रघुवंशी, सुरेन्द्र रघुवंशी, केसर खान, अवधसुंदर शर्मा, लल्लीराम जाटव, राजा मियां पठान, रिंकी रघुवंशी और शंभूदयाल नेमा ने भी अपनी बात रखी। आभार देवपुर उपब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन सिंह राजपूत ने व्यक्त किया। इस दौरान गगनेंद्र रघुवंशी, अशोक त्यागी, सुव्हान गौरी, रजत गौड़, नीलेश शर्मा आदि मौजूद थे।

मोहासा औद्योगिक क्षेत्र की घटना

मिट्टी के ढेर में युवक की मिली लाश परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में मिट्टी के ढेर से 19 वर्षीय अतुल यादव का शव बरामद हुआ। शव की हालत अत्यंत भयावह थी–शरीर पर कई चोट और कटने के निशान, आंतें बाहर निकली हुईं और पैरों के अलग होने की भी सूचना मिल रही है। परिजन व ग्रामीण हत्या कर शव को मिट्टी में दबाने का आरोप लगा रहे हैं।

घटना की जानकारी के अनुसार अतुल मोहासा का रहने वाला था और मालाखेड़ी में ठहरकर दावत कंपनी के प्लांट निर्माण में मिट्टी डालने का कार्य करता था। परिजनों के अनुसार 16 मई को अतुल का जन्मदिन था। गुरुवार रात करीब 2 से 3 बजे तक वह निर्माण स्थल पर काम कर रहा था और इसी दौरान उसके मोबाइल पर किसी से बात हुई। इसके बाद वह अचानक लापता हो गया। देर रात घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित हुए और शुक्रवार सुबह खोजबीन के बाद माखननगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। परिजनों की आशंका के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर मिट्टी के बड़े ढेर हटवाने के निर्देश दिए। तहसीलदार महेंद्र चौहान, नायब तहसीलदार सुनील गढ़वाल और पुलिस की टीम के साथ जेसीबी व पोकलेन मशीनों से करीब 9 घंटे की खुदाई के बाद शाम लगभग 6-15 बजे मिट्टी के ढेर के भीतर अतुल का शव दिखाई दिया।

शव के मिलने पर परिजन और ग्रामीण भड़क उठे। गुस्साए लोगों ने शव उठाने से इनकार कर दिया और कहा कि कंपनी का ठेकेदार तथा कलेक्टर मौके पर आए बिना शव नहीं उठने दिया जाएगा। लोगों ने मौके पर रखी जेसीबी मशीन के कांच तोड़ दिए और कुछ ने उसमें आग लगाने का प्रयास भी किया। पुलिस ने तैनात होकर स्थिति को नियंत्रित किया और अराजकता से रोका। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि अतुल की हत्या कर शव को मिट्टी में दबाकर छिपाया गया। मृतक की मां ने रोते हुए कहा कि वह ठेकेदार के आने तक बेटे का शव नहीं उठने देगी। उन्होंने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करती हैं और उनका एक ही बेटा था।

ड्यूटी छोड़ स्कूल में व्यस्त कर्मी

क्या अमरकंटक विकास प्राधिकरण की तनखाह पर हो रहा निजी काम

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

विकास प्राधिकरण के एक कर्मचारी द्वारा ड्यूटी समय में स्कूल संबंधी कार्य किए जाने की चर्चा क्षेत्र में तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित कर्मचारी प्राधिकरण के दायित्वों को छोड़कर निजी अथवा स्कूल प्रबंधन से जुड़े कार्यों में समय दे रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर उसे वेतन विकास कार्यों के लिए दिया जा रहा है या किसी निजी संस्थान के संचालन के लिए।

जानकारी के अनुसार कर्मचारी को कार्यालयीन समय में कई बार स्कूल से जुड़े दस्तावेज, प्रबंधन कार्य एवं अन्य गतिविधियों में व्यस्त देखा गया। यदि यह आरोप सही हैं तो यह न केवल शासकीय सेवा नियमों का उल्लंघन माना जाएगा, बल्कि विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करेगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अमरकंटक क्षेत्र पहले से ही विकास संबंधी कई समस्याओं से जूझ रहा है। सड़क, सफाई, पर्यटन व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं के लिए बनाए गए प्राधिकरण के कर्मचारी यदि निजी कार्यों में व्यस्त रहेंगे तो क्षेत्र का विकास कैसे होगा?

मामले को लेकर लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित कर्मचारी की उपस्थिति रजिस्टर, कार्यालयीन गतिविधियों और ड्यूटी रिकॉर्ड की जांच कराई जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि क्या उसे विभागीय अनुमति प्राप्त है या फिर शासकीय समय का दुरुपयोग किया जा रहा है।

स्वस्थ्य जीवन की ओर बढ़े कदम मानस भवन में योग शिविर का शुभारंभ

मोटोयामा के मेरिडियन व्यायामों की दी जानकारी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

बदलती जीवनशैली और बढ़ती शारीरिक समस्याओं के बीच लोगों को स्वस्थ जीवन की राह दिखाने के उद्देश्य से शुक्रवार को स्थानीय मानस भवन में दस दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ हुआ। स्वयं स्वस्थ बनो अभियान एवं रक्त सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में पहले ही दिन बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर योग एवं मेरिडियन व्यायामों का अभ्यास किया।

शिविर का मार्गदर्शन मुंबई की योग विशेषज्ञ डॉ. गीता जैन एवं दीपक जानी द्वारा किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर रक्त सेवा समिति के संस्थापक राजेश तिवारी, व्यापार महासंघ अध्यक्ष विपिन तिवारी, मनोज गोयल एवं शिविर के प्रायोजक घनश्याम राठी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. गीता जैन ने शरीर की संरचना एवं उसके संतुलन को विस्तार से समझाते हुए मोटोयामा के मेरिडियन व्यायामों की जानकारी दी। इसके बाद दीपक जानी के साथ शिविरार्थियों ने संधि एवं जोड़ संबंधी मेरिडियन व्यायाम किए। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। नागरिक बैंक के प्रबंधक परवेज फजलानी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि 12 वर्ष पूर्व उन्हें सर्वाइकल का असहनीय दर्द था, लेकिन योग शिविर से जुड़ने के बाद अब वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। आयोजकों ने बताया कि नए शिविरार्थियों के लिए 16 मई तक शिविर में शामिल होने का अवसर रहेगा, इसके बाद तीसरे दिन से नए प्रवेश बंद कर दिए जाएंगे।

ई रिक्शा से नपाध्यक्ष ने वार्डों में लिया निर्माण कार्यों का जायजा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव ने शुक्रवार को ई-रिक्शा में बैठकर शहर के विभिन्न वार्डों का भ्रमण किया और चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नपा अध्यक्ष ने वार्ड क्रमांक 10 क्लब पार्क के पीछे बन रही 10 लाख लीटर क्षमता की पानी की टंकी का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित ठेकेदार को तय समय में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर वार्ड में प्रत्येक घर तक बेहतर जल आपूर्ति व्यवस्था पहुंचाना नगर पालिका की प्राथमिकता है। इसके बाद उन्होंने वार्ड क्रमांक 4 में निर्माणाधीन पार्क का औचक निरीक्षण किया। वहीं वार्ड क्रमांक 6 में जलापूर्ति की समस्या को देखते हुए प्रभावित गलियों का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद प्रतिनिधि संजय भावसार, नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास, वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद प्रतिनिधि मणिभाई अहिरवार तथा वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद प्रतिनिधि शुभम रघुवंशी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद नपा अध्यक्ष शशि यादव ने बताया कि बारिश से पहले सभी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने के लिए निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्री-मानसून को ध्यान में रखते हुए जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने की बात कही गई है। उन्होंने ई-रिक्शा से भ्रमण करने को लेकर कहा कि देश में ईंधन की बचत समय की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी डीजल-पेट्रोल का कम उपयोग करने की अपील कर चुके हैं। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से उन्होंने ई-रिक्शा से वार्डों का भ्रमण किया।

रतन स्वीट्स एंड बेकरी पर प्रशासन की कार्रवाई, सामग्री जब्त, दुकान सील

नीमच। नीमच में रतन स्वीट्स एंड बेकरी का औचक निरीक्षण एवं जांच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार गुरुवार को खाद्य विभाग, नगरपालिका एवं प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा की। इस जांच के दौरान प्रतिष्ठान में बड़ी मात्रा में एक्सपायरी एवं अमानक खाद्य सामग्री मिली, जिसमें मावा, आइसक्रीम, ब्रेड, मिठाइयां एवं आचार शामिल थे। इन सामग्रियों को ग्राहकों को बेचा जा रहा था। साथ ही दुकान के भीतर चारों ओर गंदगी तथा बेहद खराब स्वच्छता व्यवस्था पाई गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी यशवंत कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासन द्वारा की गई इस जांच कार्रवाई में व्यावसायिक उपयोग में घरेलू गैस सिलेंडर भी पाया गया, जिसे जप्त किया गया। कार्रवाई के दौरान टीम ने मावा, सिका मावा, पेड़ा, चॉकलेट बर्फी, ब्रेड पैक, गुलाब जामुन, पाव पैक एवं क्रीम के कुल 7 नमूने मानक स्तर की जांच हेतु लिए गए। एक क्विंटल से अधिक मावा जप्त किया गया। ब्रेड और पाव के पैकेटों पर नियमानुसार कोई भी जानकारी अंकित नहीं पाई गई, जो लेबलिंग नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। गंभीर अनियमितताएं एवं जन स्वास्थ्य के लिए खतरा पाए जाने पर अधिकारियों की टीम ने तत्काल दुकान को सील कर दिया है। संचालक के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में एसडीएम संजीव साहू, तहसीलदार संजय मालवीय, सीएमओ दुर्गा बामनिया, कैंट थाना प्रभारी सौरभ शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू सोलंकी एवं यशवंत शर्मा सहित नगरपालिका और राजस्व विभाग की टीम मौजूद थी।

वाहन से 10 मवेशियों को बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

सिवनी। दोपहर मेट्रो

जिले में मवेशी तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। डूंडा सिवनी थाना पुलिस ने एक वाहन से 10 मवेशियों को बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संस्कृत शिविर में बच्चों सहित बुजुर्गों में दिखा उत्साह

सात दिन मोबाइल से दूर संस्कारों के करीब रहें

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

आज की भागती और मोबाइल में सिमटती दुनिया के बीच नगर में संस्कार और संस्कृति का ऐसा वातावरण निर्मित हुआ, जहां मोबाइल की घंटियां कम और संस्कृत के स्वर ज्यादा सुनाई देते थे। लोग स्क्रीन से दूर और संस्कारों के करीब दिखाई दे रहे थे। नमो नमः संस्कृत संभाषण, प्रार्थना, गीत और आत्मीय संवादों के बीच ऐसा वातावरण बना, जहां रिश्तों ने फिर से नेटवर्क पकड़ लिया। यह अनुभूति लाल पठार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित संस्कृत भारती के प्रांतीय संस्कृत प्रबोधन वर्ग के समापन अवसर पर देखने को मिली। सात दिनों तक यहां एक अलग ही दुनिया बसी रही, जहां 12 वर्ष से लेकर 85 वर्ष आयु तक के प्रतिभागी केवल संस्कृत के शब्द नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आत्मीयता और संस्कारों की अनुभूति अपने साथ लेकर लौटे।

संस्कृत भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा आयोजित इस आवासीय शिविर में 19 जिलों से संस्कृत प्रेमी शामिल हुए। शिविर के प्रारंभ से समापन तक यह दृश्य लगातार दिखाई दिया कि जहां सामान्य जीवन में हर खाली पल मोबाइल स्क्रीन निगल रही है, वहीं यहां लोग एक-दूसरे से आत्मीय संवाद कर रहे थे।

यहां लोग हैलो नहीं, नमो नमः कहकर अभिवादन करते थे। सुबह मोबाइल अलार्म नहीं, उत्तिष्ठत जाग्रत की स्वर लहरियां जगाती थीं और रातें सोशल मीडिया नहीं, संस्कृत गीतों व संवादों के बीच बीतती थीं। सात दिनों तक संस्कारों और संस्कृति से सजी एक अलग ही दुनिया यहां जीवंत रही।

सुबह आयोजित सत्र में जिला पंचायत सदस्य गायत्री नरेंद्र सिंह रघुवंशी गुड्डा, हरिसिंह राजपूत कक्का, अखिलेश श्रीवास्तव, शैलेंद्र दीक्षित, रमेश यादव, संदीप जेठली, सतीश जैन, राजेश माथुर, विपिन जैन, सुरेश तनवानी और मयंक टांक मौजूद रहे। वहीं समापन सत्र में एएसपी डॉ. प्रशांत चौबे एवं पूर्व संस्कृत बोर्ड अध्यक्ष डॉ. भरत बैरागी विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर में संस्कृत भारती के जिला शिक्षण प्रमुख भूपेंद्र कुमार सेन ने संचालन किया, जबकि आभार प्रांत अध्यक्ष डॉ. अशोक भदौरिया ने माना। शिविर की संपूर्ण जानकारी डॉ. जागेश्वर पटले ने दी। आयोजन में विनोद शर्मा, अभिलाषा चतुर्वेदी, संगीता राजपूत, विमलेश लोधी, विपिन शर्मा एवं नगर संयोजक अनिल चतुर्वेदी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

महिला सफाई कर्मचारियों पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला, पुलिस में की शिकायत

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर के सेंट एलायसिस स्कूल में महिला सफाई कर्मचारियों पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। यहां काम कर रही महिला कर्मचारियों का आरोप है कि ईसाई धर्म अपनाने से इनकार करने पर नौकरी से निकाल दिया गया। पीड़ित महिलाओं ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर हिंदू धर्म सेना भी महिलाओं के समर्थन में उतर आई है।एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि मामले की लिखित शिकायत मिली है। शिकायत में धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और मना करने पर कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के आरोप लगाए गए हैं। जांच विजय नगर थाना प्रभारी को सौंपी गई है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर

121 कुंडीय श्री महालक्ष्मी महायज्ञ का पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ भव्य समापन

महायज्ञ में दिखा श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति का संगम, उमड़े श्रद्धालु

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

महामाई दरबार में आयोजित 121 कुण्डीय श्री महालक्ष्मी महायज्ञ की शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ भव्य समापन हुआ। इस आयोजन में सिरोंज शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान महामाई परिसर श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन हवन-पूजन, धार्मिक अनुष्ठान एवं देवी आराधना संपन्न हुई। वैदिक मंत्रों की गूंज एवं यज्ञ की दिव्य अग्नि ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान की। आयोजन स्थल को आकर्षक धार्मिक सज्जा एवं भव्य साज-सज्जा से अलंकृत किया गया था। क्षत्रिय बघेल राजपूत समाज मध्यप्रदेश के तत्वावधान में ब्रह्मऋषि पंडित नलिनीकांत शर्मा के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में 7 मई से शुरू हुआ यह आयोजन 8 दिन के दौरान उल्लासमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस दौरान 121 कुण्डों में 242 यजमान जोड़ो के द्वारा वैदिक विधि-विधान से आहुतियां अर्पित की गईं। अंतिम दिन महायज्ञ स्थल पर श्री श्री 108 चन्द्रमादास महाराज सहित क्षेत्र के संत-महंतों की उपस्थिति भी रही। शुक्रवार को महायज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना एवं वैदिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें शहर ओर आसपास के ग्रामीण इलाकों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। साथ ही क्षत्रिय बघेल राजपूत समाज एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आयोजन में सहभागिता की।

इस अवसर पर क्षत्रिय बघेल राजपूत समाज मध्यप्रदेश द्वारा प्रधान यज्ञाचार्य पंडित नलिनीकांत शर्मा को देवऋषि की उपाधि से विभूषित करते हुए उन्हें अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। समाज के सदस्यों ने उनके सानिधय के प्रति आभार जताया। वहीं यज्ञाचार्य ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं विकास की मंगलकामना भी की।

समिति ने की थीं व्यवस्थाएं

इस 8 दिवसीय आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने हेतु समिति द्वारा सुरक्षा, पेयजल, बैठक एवं पार्किंग की विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महिला एवं पुरुषों के लिए बैठक एवं भोजन व्यवस्था हेतु अलग-अलग विशाल पंडाल बनाए गए थे। आयोजन समिति एवं बघेल समाज के ही स्वयंसेवकों ने सेवाभाव के साथ व्यवस्थाओं का संचालन किया। जिसकी आयोजन में आए श्रद्धालुओं ने मुक्तकंठ से सराहना की।

कथा के बाद हुआ जागरण

महायज्ञ के साथ 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन भी माता रानी के दरबार में समिति द्वारा किया गया। कथा वाचन साध्वी सुगणा बाईसा के ने किया। उन्होंने अपनी वाणी एवं ओजस्वी प्रवचनों से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति एवं संस्कारों का संदेश दिया। संगीतमयी कथा का समापन एक दिन पहले हो गया था। कथा के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। अंतिम दिवस विशाल भजन संध्या एवं जागरण का आयोजन भी समिति द्वारा किया गया। जिसमें गायकों ने भक्तिमय प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को देर रात तक भावविभोर रखा।

बिजुरी का खूनी रहस्य: घर में महिला की लाश, बाहर युवक का शव

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र के भालू गुडार वार्ड 7 में शुक्रवार की सुबह जब लोगों की नजर खून से सने शवों पर पड़ी, तो पूरा इलाका सन्न रह गया। 45 वर्षीय महिला का शव घर के भीतर पड़ा था, जबकि 26 वर्षीय युवक की लाश बाहर सड़क किनारे मिली। प्रारंभिक जांच में धारदार हथियार से हमले की आशंका जताई जा रही है। पुलिस, डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची, लेकिन कई सवाल अब भी जवाब मांग रहे हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार रात में चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनाई दी थीं। मृत युवक शराब के नशे में घर लौटा था और महिला के घर के बाहर कुछ लोगों की मौजूदगी की भी चर्चा है। इस दोहरे हत्याकांड ने सिर्फ दो परिवारों को नहीं तोड़ा, बल्कि इलाके की कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल है कि क्या यह सिर्फ हत्या है या इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है। गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात बिजुरी के उस छोटे से मोहल्ले में कुछ ऐसा हुआ जिसने सुबह होते-होते पूरे क्षेत्र को खौफ में डाल दिया। लोगों ने देर रात चीखने और विवाद जैसी आवाजें सुनने की बात कही, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा था कि सुबह दो लाशें मिलेंगी। एक महिला घर के भीतर मृत पड़ी थी, जबकि युवक का शव बाहर सड़क किनारे पड़ा मिला। दोनों शवों की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि हमलावर बेहद बेरहमी से वार कर फरार हुए। खून के निशान, टूटी हुई शांति और सहमे हुए लोगज्पूरा दृश्य किसी क्राइम थ्रिलर से कम नहीं था। यह घटना सिर्फ दो लोगों की हत्या नहीं, बल्कि उस डर की तस्वीर है जो अब गांव-कस्बों में भी गहराने लगा है। अगर रात के अंधेरे में कोई घर के भीतर घुसकर हत्या कर सकता है और दूसरा शव सड़क पर फेंक सकता है, तो आम नागरिक खुद को कितना सुरक्षित महसूस करेगा। बिजुरी का यह डबल मर्डर प्रशासन के लिए एक चेतावनी है। अपराधियों के हौसले तभी टूटेंगे जब जांच तेज, निष्पक्ष और पारदर्शी होगी। वरना हर नई सुबह किसी और चीख, किसी और खून और किसी और मातम की खबर लेकर आएगी।

विवाद या पुरानी रंजिश? जांच में उलझे सवाल

पुलिस की शुरुआती जांच कई संभावनाओं की तरफ इशारा कर रही है। मृत युवक के परिजनों का कहना है कि वह शराब पीकर घर लौटा था और किसी बात को लेकर विवाद हुआ होगा। वहीं महिला के घर के बाहर कुछ संदिग्ध लोगों की मौजूदगी की चर्चा ने मामले को और रहस्यमयी बना दिया है।क्या यह आपसी विवाद था? क्या पुरानी दुश्मनी ने खूनी रूप लिया? या फिर किसी ने सुनियोजित तरीके से दोनों को मौत के घाट उतारा? फिलहाल पुलिस हर एंगल से जांच की बात कर रही है, लेकिन इलाके में दहशत का माहौल साफ दिखाई दे रहा है।

पीएम पर अड़ा परिवार, प्रशासन पर उठे सवाल

मृत युवक की बहन ने पोस्टमार्टम से पहले बड़े अधिकारियों को बुलाने की मांग कर दी। उनका कहना था कि जब तक वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं आएंगे, शव नहीं उठने दिया जाएगा।यह सिर्फ भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि सिस्टम पर अविश्वास की तस्वीर भी थी। अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में हत्या जैसे मामलों में जांच की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। यही वजह है कि इस बार परिवार खुलकर सामने आया। लोगों का कहना है कि अगर शुरुआत से सख्त कार्यवाही नहीं हुई तो मामला भी बाकी फाइलों की तरह धूल खा जाएगा।

न्यूज विंडो

भीषण गर्मी में भुगतान के लिए बैंक के चक्कर काट रहे किसान

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज का भुगतान प्राप्त करने के लिए इन दिनों भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित तेंदूखेड़ा में किसानों की लंबी कतारें लग रही हैं, वहीं भीषण गर्मी के बीच किसानों को घंटों बैंक के बाहर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि उन्हें जरूरत के अनुसार भुगतान नहीं दिया जा रहा, जिससे शादी-विवाह के इस सीजन में आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के किसानों ने समर्थन मूल्य पर अपनी उपज समितियों में जमा की थी, जिसका भुगतान जिला सहकारी बैंक तेंदूखेड़ा के माध्यम से किया जा रहा है। लेकिन बैंक पहुंचने पर किसानों को पर्याप्त राशि नहीं मिल पा रही है। किसानों का कहना है कि बैंक प्रबंधन द्वारा केवल 10 से 20 हजार रुपये तक ही भुगतान किया जा रहा है, जबकि उन्हें खेती, पारिवारिक जरूरतों एवं विवाह कार्यक्रमों के लिए अधिक धनराशि की आवश्यकता है। अजीतपुर निवासी किसान तिलक सिंह, साईपुरा के करोड़ी प्रसाद राय, मगदुपुरा के संतोष पटेल सहित बगदरी, घुटरिया और सहजपुर के कई किसान पिछले तीन दिनों से लगातार बैंक के चक्कर लगा रहे हैं। किसानों ने बताया कि सुबह से लेकर दोपहर तक तेज धूप में इंतजार करने के बावजूद उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है।

विधिक साक्षरता शिविर आयोजित पोक्सो अधिनियम की दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला दमोह सुभाष सोलंकी के निर्देशानुसार एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी व अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा श्रीमती स्मृति सोनी के मार्गदर्शन एवं संबोधन में नालसा की जागृति स्कीम 2025 के अंतर्गत ''सुरक्षित बचपन, संरक्षित भविष्य'' अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 11 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र तेंदूखेड़ा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता जानकी रैकवार, महिला सुपरवाइजर श्रीमती पूजा गोड तथा अन्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नालसा द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पोक्सो अधिनियम 2012 के संबंध में आमजन एवं बच्चों के अभिभावकों को जागरूक करना था। शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती स्मृति सोनी ने बताया कि पोक्सो अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन उत्पीड़न, यौन शोषण एवं बाल अश्लीलता (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) जैसे अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने हेतु बनाया गया एक महत्वपूर्ण कानून है। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के अंतर्गत मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालयों का गठन किया गया है, जिससे पीड़ित बच्चों को शीघ्र न्याय मिल सके।

गौ सेवा समिति के सदस्यों ने गौ तस्करी का प्रयास किया विफल

पांढुर्णा। जिले के लोधीखेड़ा क्षेत्र में देर रात सनातन गौ सेवा समिति के सदस्यों ने गौ तस्करी का प्रयास विफल कर दिया। समिति के युवकों ने एक कार का करीब 17 किलोमीटर तक पीछा कर उसे पकड़ा। बताया गया कि आरोपी मवेशियों को कबर पीपला होते हुए खैरी तीनखेड़ा मार्ग से कत्लखाने ले जा रहे थे।सनातन गौ सेवा समिति के सदस्यों ने मवेशियों और जब्त की गई कार को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

एंबुलेंस ने नशे में सड़क किनारे खड़ी कार को टक्कर मारी

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के परासिया रोड पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। देहात थाना क्षेत्र में 108 एंबुलेंस के चालक ने कथित रूप से शराब के नशे में सड़क किनारे खड़ी कार को टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। टक्कर इतनी तेज थी कि कार सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। घटना में एक फल दुकान संचालक भी बाल-बाल बच गया।

2019 से अब तक 1300 से अधिक चीतल टाइगर रिजर्व में किए गए शिफ्ट

टाइगर रिजर्व में कूनों से जुलाई तक चीते लाने की तैयारी उससे पहले यहां आएंगे एक हजार चीतल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में जुलाई तक चीतों को शिफ्ट किया जा सकता है। इससे पहले यहां चीतलों को लाने का सिलसिला जारी है। अबकी बार एक हजार और चीतलों को लाए जाने की अनुमति मिली है यह चीतल पेंच और कान्हा से लाए जाने है रिजर्व में अप्रैल तक चीतों की शिफिटंग होनी थी, लेकिन बोमा (बाड़ा) बनने में विलंब के चलते अब इस तारीख को आगे बढ़ा दिया गया। संभव है कि जुलाई तक शिफ्टिंग हो जाए। चीतों के लिए पेंच से एक हजार चीतल मांगे गए थे जो शिफ्ट हो चुके है। वहीं कान्हा से भी 300 चीतलों को मांग हुई थी, जिनमें से 150 चीतल आ चुके हैं। 2019 से अबतक 1300 से अधिक चीतल शिफ्ट किए जा चुके है टाइगर रिजर्व से विस्थापित हुए गांव की जगह में जंगल में बदलने के लिए वन विभाग वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट के मार्गदर्शन में गांव की खाली पड़ी जगह को जंगल की तरह बदलने की तैयारी कर रही है टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि विस्थापन के बाद गांव की जगह में जंगल की तरह घास उगने में प्राकृतिक रूप से 5 से 7 साल का समय लगता है। इसलिए वैज्ञानिक तरीके से घास उगाई जा रही है। इसके लिए खेतों में घास के बिच डाले जा रहे है, साथ ही खर पतवार को नष्ट किया जा रहा है। ताकि जल्द घास के मैदान बन सके। इससे यहां शाकाहारी जानवर आएंगे और जंगल के परिसंचरण तंत्र का विस्तार होगा एक बार चीते यहां पहुंच गए तो यह दुनिया का पहला ऐसा टाइगर रिजर्व बन जाएगा, जहां बिग कैट परिवार के तीनों सदस्य बाघ, तेंदुआ और चीता एक साथ निवास करेंगे। इसके आलावा यहां कई अन्य बिल्ली प्रजाति के जानवर भी है दुनिया की सबसे छोटी बिल्ली भी टाइगर रिजर्व में देखी गई है। रिजर्व में मुहली, सिंगपुर और झापन रेंज के करीब 440 हेक्टेयर क्षेत्र को चीतों के लिए चिह्नित किया गया है। इनमें मुहली रेंज को प्राथमिकता दी जा रही है क्योंकि यहां घास के बड़े मैदान और छायादार वृक्ष बड़ी मात्रा में मौजूद है।

चीता प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए करीब 100 वनकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है 10-10 सदस्यों के दल कूनो नेशनल पार्क भेजे जा रहे हैं, जहां विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में उन्हें चीतों के व्यवहार, निगरानी और देखभाल की ट्रेनिंग दी जा रही है। एक दल प्रशिक्षण पूरा करके वापस आ चुका है, जबकि दूसरा दल रवाना हो गया है। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि बारिश के मौसम में जुलाई तक चीतों की शिफ्टिंग हो जाएगी। इसके अलावा, रिजर्व की जैव-विविधता को मजबूत करने के लिए 1000 चितल लाए जा रहे हैं। शिफ्टिंग की अनुमति मिल चुकी है यह प्रोजेक्ट न केवल चीतों को नया घर देगा बल्कि पूरे क्षेत्र की पारिस्थितिकी को संतुलित और समृद्ध बनाने में भी मदद करेगा।

एक साथ रह सकते है बाघ, चीता और तेंदुआ

डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि प्रकृति ने ऐसी व्यवस्था की है कि एक ही भू-भाग में बहुत सारे वन्य प्राणी बिना लड़े रह सकते हैं। बाघ, चीता और तेंदुआ तीनों अलग तरह के शिकारी है। चीता दौड़ के शिकार करता है, वह छोटे जानवर जिनका वजन 30 से 40 किलो होता है उनका शिकार करता है। वह हिरण, चीतल के बच्चों का शिकार करता है। जबकि बाघ हमेशा भारी और बड़े जानवरों का शिकार करना पसंद करता है। वहीं तेंदुआ छोटे जानवर को मारकर तुरंत पेड़ पर चढ़कर खाने की कोशिश करता है ताकि उसका शिकार सुरक्षित रहे। तीनों का आमना-सामना होने की संभावना कम ही होती है, इसलिए यह तीनों एक साथ यहां रह सकते है

चीतों को रखने के लिए बन रहे दो तरह के बाड़े

चीतों को जंगल में छोड़ने के पहले उन्हें बाड़ों में रखा जाएगा। इसके लिए दो तरह के बाड़े बन रहे है। क्वारेंटाइन बोमाः छोटा क्षेत्रफल वाला, जहां चीतों को शुरू में 12-15 दिन रखकर उनकी स्वास्थ्य स्थिति, बीमारियों और अनुकूलन का आकलन किया जाएगा इसके बाद सॉफ्ट रिलीज बोमा जो करीब 80-100 हेक्टेयर का बड़ा बाड़ा होगा, जहां क्वारेंटाइन के बाद चीतों को छोड़ा जाएगा ताकि वे धीरे-धीरे जंगली परिवेश में अनुकूलित हो सकें। वन विभाग के अनुसार, बाड़ों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही पूरा हो जाएगा।

सीवर लाइन परियोजना ने बदहाल किए रास्ते, गड्ढों में तब्दील हुई शहर की सड़कें

शहडोल। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका क्षेत्र में चल रही सीवर लाइन परियोजना अब आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनती जा रही है। शहर के कई मुख्य और अंदरूनी मार्ग खुदाई के बाद गड्ढों में तब्दील हो चुके हैं, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय व्यापारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि सीवर लाइन बिछाने के दौरान सड़कों को जगह-जगह खोदा गया, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद उनकी मरम्मत नहीं कराई गई। बारिश और लगातार आवागमन के कारण ये सड़कें अब खतरनाक रूप ले चुकी हैं। कई स्थानों पर दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं, वहीं स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भी आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। जानकारी के अनुसार सीवर लाइन परियोजना के एग्रीमेंट में स्पष्ट प्रावधान था कि कार्य के दौरान जिस भी सड़क को नुकसान पहुंचेगा, उसकी भरपाई और पुनर्निर्माण संबंधित कंपनी द्वारा कराया जाएगा। इसके बावजूद अब तक शहर की टूटी सड़कों की मरम्मत नहीं होने से नगर पालिका और संबंधित कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। शहरवासियों का कहना है कि यदि कंपनी को सड़कें तोड़ने की अनुमति दी गई थी तो उन्हें समय सीमा के भीतर सड़कें दुरुस्त भी करनी चाहिए थीं। लोगों ने आरोप लगाया कि परियोजना की निगरानी करने वाले जिम्मेदार अधिकारी भी इस मामले में गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। अब सवाल उठ रहा है कि आखिर सीवर लाइन कंपनी को एग्रीमेंट की शर्तों का पालन कराने की जिम्मेदारी किसकी है। क्या नगर पालिका प्रशासन कंपनी पर कोई कार्रवाई करेगा या फिर आम जनता इसी तरह बदहाल सड़कों पर चलने को मजबूर रहेगी।

तीन पशु चिकित्सक निलंबित, सार्थक ऐप पर फर्जी उपस्थिति दर्ज कराने पर एफआइआर के दिए आदेश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने नर्मदापुरम जिले के तीन सहायक पशु चिकित्सकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन पशुपालन एवं डेयरी विभाग के पत्र के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। संभागीय कार्यालय ने आरोप लगाया है कि ये चिकित्सक सार्थक मोबाइल एप पर फोटो दिखाकर किसी अन्य के माध्यम से फर्जी उपस्थिति दर्ज करवा रहे थे, जिससे वे कार्यस्थल पर उपस्थित न रहते हुए भी वेतन प्राप्त कर रहे थे। डॉ. गरिमा शुक्ला, डॉ. ज्योति नवडे, डॉ. अंशु तुमराम को निलंबित किया गया है।

संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने बताया कि आरोपों के सत्यापन के बाद, मप्र सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम 9(1) के तहत इन तीनों को निलंबित किया गया है। निर्देश दिए गए हैं कि संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं संभाग नर्मदापुरम उक्त चिकित्सकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराएं।

प्रविष्टियों के अनुसार, केसला व काला आखर में पदस्थ ये चिकित्सक मोबाइल पर अपनी फोटो दिखाकर किसी अन्य के माध्यम से सार्थक एप पर उपस्थिति दर्ज करा रहे थे, जो कूट रचना कर फर्जी हाजिरी दर्ज कराने का मामला माना गया है। संभागीय प्रशासन ने इस कृत्य को गंभीर कदाचार एवं अनुशासनहीनता की श्रेणी में गिनाया है।

निलंबन अवधि में डॉ. ज्योति नवडे, डॉ. गरिमा शुक्ला और डॉ. अंशु तुमराम का मुख्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, नर्मदापुरम नियत किया गया है। निलंबन के दौरान उन्हें मूलभूत नियम 53 के तहत जीवन निर्वाह भत्ता निर्धारित रहेगा। संभाग आयुक्त का यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू रहेगा। संभाग प्रशासन ने कहा है कि मामले की विस्तृत जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाओं से एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी कराने के निर्देश दिए गए हैं

मेट्रो एंकर स्वच्छता अभियान को लगाया जा रहा पलिता, शहर में भी कई जगहों पर लगाई जाती है कचरे में आग

रेलवे क्षेत्र में फेंक रहे लोग कचरा, लगाई जा रही आग, हो सकता है हादसा

बीना। दोपहर मेट्रो

स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर शहर में लोगों से फीडबैक लिया जा रहा है और कुछ दिनों में टीम आने वाली है। इसके बाद भी व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हो रहा है। शहर से लगे हुए रेलवे क्षेत्र की खाली जगह पर शहरवासी कचरा फेंक रहे हैं, लेकिन इसकी सफाई करने की जगह आग लगाई जा रही है।

सिंधी धर्मशाला के सामने अंडरब्रिज के पास रेलवे क्षेत्र में कचरे के ढेर हमेशा लगे रहते हैं, यहां न रेलवे और न ही नगर पालिका द्वारा सफाई कराई जाती है। कचरा ज्यादा होने पर वहां आग लगा दी जाती है। दोपहर के समय में आग लगाने से धुआं और आग की लपटे निकल रहीं थीं, जिससे प्रदूषण तो फैल ही रहा था, वहीं आसपास आग फैलने का खतरा बना रहा। अंडरब्रिज से आने-जाने वाले वाहन चालकों को भी परेशान होना पड़ा। करीब दो घंटे तक यहां कचरा जलता रहा, लेकिन आग नहीं बुझाई गई। लोगों ने बताया कि रेलवे क्षेत्र में हमेशा कचरे के ढेर लगे रहते हैं, क्योंकि वहां सफाई नहीं की जाती है और आग लगा देते हैं। यदि नियमित सफाई की जाए, तो यह स्थिति निर्मित नहीं होगी।

पास में ही है रेलवे ट्रैक

जिस जगह कचरा जल रहा था, उससे कुछ फीट की दूरी पर ही बीना-सागर रेलवे ट्रैक है और हवा के साथ यदि आग ट्रैक के पास पहुंच जाती, तो वहां से निकलने वाली ट्रेन भी चपेट में आ सकती हैं। इस ओर रेलवे द्वारा भी ध्यान नहीं जा रहा है। घटना होने के बाद ही अधिकारी जागते हैं।

कई जगह जल रहा कचरा

शहर में कई जगहों पर नगर पालिका कर्मचारी आग लगा देते हैं, जिससे आसपास आग फैलने का खतरा बना रहता है। कई बार सफाई प्रभारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं, लेकिन फिर भी वह ध्यान नहीं दे रहे हैं।

नईबस्ती में भी है यही स्थिति

नईबस्ती में अंडरब्रिज के पास भी रेलवे की जगह है और वहां भी लोग कचरा फेंकते हैं, लेकिन यहां भी नियमित सफाई नहीं होती है। कई दिनों तक कचरे के ढेर लगे रहते हैं। कई बार इसकी शिकायतें भी नगर पालिका में की जाती हैं, लेकिन फिर भी ध्यान नहीं दिया जाता है।

भारत को टी20 विश्व कप जिताने वाले स्टार खिलाड़ियों का आईपीएल 2026 में बुरा हाल

स्टार खिलाड़ियों की फॉर्म बनी चिंता का विषय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जिताने वाले कई स्टार खिलाड़ी इस समय आईपीएल 2026 में अपने प्रदर्शन को लेकर संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। जिन खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को चैंपियन बनाया, वही खिलाड़ी अपनी-अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए इस सीजन उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। किसी का बल्ला खामोश है तो किसी की गेंदबाजी में धार नजर नहीं आ रही है। इससे न केवल टीमों का संतुलन प्रभावित हुआ है, बल्कि प्लेऑफ की दौड़ भी कठिन हो गई है।

सूर्यकुमार यादव: कप्तानी के बाद फॉर्म में गिरावट- भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जिताने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव आईपीएल 2026 में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए उन्होंने 11 मैचों में सिर्फ 195 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से केवल एक अर्धशतक निकला है। मिडिल ऑर्डर में उनकी धीमी शुरुआत और लगातार असफल पारियां टीम के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं।

हार्दिक पांड्या: ऑलराउंड प्रदर्शन फीका

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या भी इस सीजन अपने पुराने रंग में नजर नहीं आए हैं। 8 मुकाबलों में उन्होंने 136 के स्ट्राइक रेट से केवल 146 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में भी वह सिर्फ 4 विकेट ही ले सके हैं। उनकी कप्तानी रणनीति पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं, जिससे टीम पर दबाव बढ़ गया है।

शिवम दुबे : लगातार संघर्ष जारी

चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउंडर शिवम दुबे का प्रदर्शन भी इस सीजन फीका रहा है। उन्होंने 10 मैचों में सिर्फ 165 रन बनाए हैं और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। गेंदबाजी में भी वह केवल एक विकेट लेने में सफल रहे हैं। मध्यक्रम में उनसे बड़ी पारियों की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन वह अभी तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

जसप्रीत बुमराह: गेंदबाजी में अप्रभावी प्रदर्शन: भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल 2026 सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। 11 मैचों में वह सिर्फ 3 विकेट ले पाए हैं और उनका इकोनॉमी रेट 8.51 रहा है। जो गेंदबाज बड़े मैचों में मैच विनर माना जाता है, वह इस बार अपनी लय खोते नजर आ रहे हैं।

अक्षर पटेल: कप्तानी में दबाव, प्रदर्शन में गिरावट: दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल का प्रदर्शन भी संतुलित नहीं रहा है। 12 मैचों में उन्होंने 100 रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजी में 10 विकेट लिए हैं। हालांकि, उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

अर्शदीप सिंह : विकेट तो मिले, लेकिन रन लुटाए ज्यादा

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 11 मैचों में 13 विकेट लिए हैं, लेकिन उनका इकोनॉमी रेट 9.92 रहा है। वह लगातार रन लुटा रहे हैं, जिससे विपक्षी बल्लेबाजों को फायदा मिल रहा है।

तिलक वर्मा: एक शतक के बाद भी अस्थिर फॉर्म

मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इस सीजन एक शतक जरूर लगाया है, लेकिन बाकी मैचों में वह 160 रन ही बना सके हैं। उनकी अस्थिर फॉर्म टीम की बल्लेबाजी लाइनअप को कमजोर कर रही है।

कुलदीप यादव: गेंदबाजी में असर खत्म

आमतौर पर स्पिन गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले कुलदीप यादव इस सीजन प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। 11 मैचों में उन्होंने केवल 7 विकेट लिए हैं और उनका इकोनॉमी 10.66 रहा है। यह प्रदर्शन उनके स्तर के खिलाड़ी के लिए काफी नीचे माना जा रहा है।

फ्रांस की धरती पर चमकेगा एमपी का हुनर

खुशी करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व, संघर्ष और समर्पण से लिखा सफलता का अध्याय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य फेंसिंग अकादमी, भोपाल की प्रतिभाशाली खिलाड़ी खुशी दाभाडे का चयन प्रतिष्ठित FIE Womens Épée World Cup के लिए भारतीय टीम में किया गया है। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता 22 से 24 मई 2026 तक फ्रांस में आयोजित होगी। पूरे देश से केवल चार खिलाड़ियों का चयन इस प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जिनमें मध्यप्रदेश की खिलाड़ी खुशी दाभाडे का नाम शामिल होना प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय है। यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता को दर्शाती है, बल्कि मध्यप्रदेश में विकसित हो रही मजबूत खेल संस्कृति और उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था का भी प्रमाण है। खुशी दाभाडे ने अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण के दम पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश राज्य फेंसिंग अकादमी, भोपाल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही खुशी लगातार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करती रही हैं, जिसके आधार पर उनका चयन भारतीय टीम में किया गया है।

संघर्ष, समर्पण और मेहनत की प्रेरणादायक कहानी

साधारण परिवार से आने वाली खुशी दाभाडे की सफलता हजारों युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी माता एक नर्स के रूप में कार्यरत हैं और सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने खुशी के सपनों को पूरा करने में हर संभव सहयोग दिया। कठिन परिस्थितियों के बीच भी खुशी ने अपने लक्ष्य से कभी ध्यान नहीं हटाया और लगातार मेहनत करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सफर तय किया। उनकी यह उपलब्धि इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर प्रयास और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

अकादमी की आधुनिक सुविधाओं और प्रशिक्षण का सकारात्मक परिणाम

मध्यप्रदेश राज्य फेंसिंग अकादमी, भोपाल में खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, फिटनेस सपोर्ट और अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा खिलाड़ियों को बेहतर वातावरण और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। खुशी दाभाडे की यह सफलता अकादमी की सुदृढ़ प्रशिक्षण प्रणाली और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है। खुशी दाभाडे का भारतीय टीम में चयन मध्यप्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। उनकी उपलब्धि प्रदेश के उन युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है, जो खेलों में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

रोम में स्वितोलिना की शानदार वापसी

तीसरे इटेलियन ओपन खिताब से बस एक कदम दूर यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी

रोम, एजेंसी

यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने इटैलियन ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। दो बार की पूर्व चैंपियन स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। यह मुकाबला 2 घंटे 14 मिनट तक चला, जिसमें स्वितोलिना ने दबाव के क्षणों में बेहतरीन खेल दिखाया।

कई वर्षों बाद फिर चमकी स्वितोलिना- 2017 और 2018 में लगातार इटैलियन ओपन का खिताब जीतने वाली स्वितोलिना पहली बार इतने लंबे अंतराल के बाद टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची हैं। उनकी इस उपलब्धि ने टेनिस प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया है। मैच के बाद स्वितोलिना ने कहा कि इतने वर्षों बाद फिर से फाइनल में पहुंचना उनके लिए बेहद खास एहसास है और वह अपने प्रदर्शन से काफी संतुष्ट हैं।

सेमीफाइनल में स्वितोलिना ने 16 में से 11 ब्रेक पॉइंट बचाए। खास बात यह रही कि निर्णायक सेट में उन्होंने सभी पांच ब्रेक पॉइंट सफलतापूर्वक बचाकर अपनी मानसिक मजबूती का परिचय दिया। इस सीजन में उन्होंने किसी भी डब्ल्यूटीए खिलाड़ी के मुकाबले सबसे ज्यादा ब्रेक पॉइंट झेले हैं, लेकिन शानदार डिफेंस के दम पर लगातार मुकाबलों में वापसी की है।

फाइनल में कोको गॉफ से होगा मुकाबला

अब फाइनल में स्वितोलिना का सामना अमेरिका की युवा स्टार कोको गॉफ से होगा। गॉफ पहली बार इटैलियन ओपन का खिताब जीतने की कोशिश करेंगी, जबकि स्वितोलिना तीसरी ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेंगी। दोनों खिलाड़ी इस सीजन का अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगी। दिलचस्प बात यह है कि स्वितोलिना इस साल गॉफ को दो बार हरा चुकी हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन और दुबई टूर्नामेंट में भी उन्होंने गॉफ पर जीत दर्ज की थी। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक पांच मुकाबले हुए हैं, जिनमें स्वितोलिना ने तीन और गॉफ ने दो मैच जीते हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

सारा अली खान की ऐसी हरकत

शर्मिंदा होकर मुंह छिपाने लगे को स्टार

सारा अली खान पिछले आठ साल से इंडस्ट्री में हैं। साल 2018 में अपने डेब्यू के बाद उन्हें इंडस्ट्री में काफी नाम और पहचान मिली। मगर सोशल मीडिया पर उन्हें ज्यादातर ट्रोल होता देखा जाता है। सारा के कई सारे पैप वीडियो, रियलिटी शो के क्लिप्स वायरल रहते हैं जहां लोग उनके रिएक्शन्स और स्टेटमेंट्स पर उन्हें निशाना बनाते हैं।

सारा को ट्रोल इसलिए भी किया जाता है क्योंकि वो सैफ अली खान की बेटी हैं और उन्हीं की वजह से उन्हें फिल्मों में काम मिलता रहता है। यही वजह है कि कई लोग उनके पीछे पड़े रहते हैं। लेकिन फिलहाल एक्ट्रेस को अपनी एक ऐसी हरकत के लिए ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है, जो उन्होंने अपनी नई फिल्म के प्रमोशन के दौरान की।

सारा अली खान की नई फिल्म पति पत्नी और वो दो थिएटर्स में आज रिलीज हुई। इसके प्रमोशन के दौरान फिल्म की पूरी कास्ट आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह पैप्स से भी मिले। जगह-जगह फिल्म प्रमोट करने के बीच सारा अचानक सबके सामने गाना गाने लगीं, जिन्हें देखकर उनके कोस्टार हंसने लगे। एक्ट्रेस जिस तरह से गाना गा रही थीं, वो सुनकर आयुष्मान, वामिका और रकुल प्रीत की हंसी नहीं रुकी। कुछ देर के बाद सारा को भी अजीब लगने लगा लेकिन वो तब भी नहीं रुकी और गाती रहीं। बाद में रकुल प्रीत समेत पूरी स्टारकास्ट अपना मुंह छिपाती नजर आई। फिर वामिका गब्बी ने उन्हें गाना बंद करने के लिए कहा, तब जाकर सारा चुप हुईं। उनके इस वीडियो की X पर खूब चर्चा हो रही है।

`कई यूजर्स ने सारा को किया ट्रोल

एक यूजर ने सारा का वीडियो शेयर करके उनकी एक्टिंग, ड्रेसिंग स्टाइल और आवाज पर सवाल उठाए। उनके साथ-साथ कमेंट सेक्शन में भी कई यूजर्स ने एक्ट्रेस को ट्रोल किया। कई लोगों ने कहा कि सारा शायद और गाती अगर वामिका गब्बी ने उन्हें ना रोका होता। अपने गाने को लेकर सारा अली खान अब फिर ट्रोल्स के निशाने पर हैं। बात करें फिल्म पति, पत्नी और वो दो की, तो सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर भी कई सारी बातें हो रही हैं। लोगों का मानना है कि इसे शायद कोई नहीं देखने जाएगा। वैसे ये फिल्म मुदस्सर अजीज ने बनाई है, जिनकी कार्तिक आर्यन वाली पति पत्नी और वो फिल्म काफी चली थी।

मां बनी नहीं कि करियर खत्म! रुबीना दिलैक ने खोली मनोरंजन जगत की सोच की पोल

मुंबई। चमक-दमक और ग्लैमर से भरी टीवी इंडस्ट्री के पीछे एक ऐसी सच्चाई छिपी है, जिस पर अक्सर पर्दा डाल दिया जाता है। मां बनने के बाद अभिनेत्रियों के करियर पर लगने वाला ÷ब्रेक÷ आज भी इंडस्ट्री की पुरानी सोच का हिस्सा बना हुआ है। अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने इसी मानसिकता पर खुलकर सवाल उठाए हैं।

रुबीना का कहना है कि आज भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री नई मां बनी अभिनेत्रियों को लेकर भरोसा नहीं दिखाती। मेकर्स को लगता है कि बच्चे को जन्म देने के बाद अभिनेत्री में पहले जैसी ऊर्जा, मेहनत और जुनून नहीं बचता। यही वजह है कि कई कलाकारों को मां बनने के बाद काम मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

रुबीना ने कहा कि समाज और इंडस्ट्री दोनों ही महिलाओं को एक तय दायरे में देखने के आदी हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि कई बार मेकर्स यह मान लेते हैं कि मां बनने के बाद अभिनेत्री अब लंबे शूटिंग शेड्यूल या कठिन काम संभाल नहीं पाएगी। रुबीना ने कहा कि स्टडीज में सामने आया है कि बड़ी संख्या में महिलाएं प्रेग्नेंसी के बाद काम पर वापस नहीं

लौट पातीं, क्योंकि उन्हें स्वीकार करने की मानसिकता अब भी विकसित नहीं हुई है। उनके मुताबिक, महिलाओं को कमजोर समझना सिर्फ घरेलू सोच नहीं बल्कि प्रोफेशनल दुनिया की भी हकीकत है।

अभिनेत्री ने यह भी कहा कि महिलाओं पर समाज लगातार दबाव बनाता है। उन्हें हर फैसले के लिए जज किया जाता है। चाहे करियर चुनना हो, शादी करना हो या मां बनना – हर मोड़ पर महिलाओं को खुद को साबित करना पड़ता है।

मेट्रो बाजार

ओपनएआई ने एंड्रॉयड यूजर्स के लिए चैटजीपीटी मोबाइल ऐप में लॉन्च किया कोडेक्स फीचर

नई दिल्ली । चैटजीपीटी की मूल कंपनी ओपनएआई ने अपने एआई कोडिंग सहायक कोडेक्स को चैटजीपीटी मोबाइल ऐप में शामिल कर दिया है, जिससे डेवलपर्स अब अपने स्मार्टफोन से दूर से ही कोडिंग से जुड़े कामों की निगरानी, प्रबंधन और मंजूरी दे सकेंगे। यह फीचर फिलहाल प्रीव्यू मोड में शुरू किया गया है और फ्री और गो समेत चैटजीपीटी के सभी प्लान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इस इंटीग्रेशन के बाद यूजर्स अपने फोन को कोडेक्स चलाने वाली मशीनों जैसे लैपटॉप, मैक मिनी, डेवलपमेंट बॉक्स और मैनेज्ड रिमोट सिस्टम से कनेक्ट कर सकेंगे। इसके जरिए वे सीधे चैटजीपीटी ऐप पर प्रोजेक्ट से जुड़े लाइव अपडेट देख पाएंगे। ओपनएआई के अनुसार, मोबाइल अनुभव के तहत यूजर्स आउटपुट की समीक्षा कर सकेंगे, कमांड को मंजूरी दे पाएंगे, एआई मॉडल बदल सकेंगे, नए कोडिंग टास्क शुरू कर सकेंगे और चल रहे काम की निगरानी कर सकेंगे, वह भी बिना डेस्कटॉप सिस्टम पर लौटे। कंपनी ने कहा, ÷स्क्रीनशॉट, टर्मिनल आउटपुट, अंतर, परीक्षण परिणाम और मंजूरी जैसी रियल-टाइम अपडेट मोबाइल ऐप में सिंक होती रहेगी, जबकि फाइलें, लॉगिन जानकारी और अनुमति संबंधित डेटा कनेक्टेड मशीन पर ही सुरक्षित रहेगा।÷ कंपनी ने यह भी बताया कि अब हर सप्ताह 40 लाख से अधिक लोग कोडेक्स का उपयोग कर रहे हैं। ओपनएआई ने कहा कि रिमोट एसएसएच सपोर्ट और हुक्स अब सभी प्लान्स में सामान्य रूप से उपलब्ध हैं।

भारत को शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में 2037 तक 80 लाख करोड़ के निवेश की आवश्यकता

नई दिल्ली । भारत को तेज शहरीकरण और आर्थिक ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में 2037 तक 80 लाख करोड़ रुपए के निवेश की आवश्यकता होगी। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ब्रिकवर्क रेटिंग्स (बीडब्ल्यूआर) की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2036 तक भारत की जीडीपी में शहरी क्षेत्रों का योगदान लगभग 70 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जिससे सतत शहरी वित्तपोषण एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र सरकार का 1 लाख करोड़ रुपए अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ), भारत के शहरी विकास वित्तपोषण मॉडल में एक बड़ा बदलाव है। यह योजना अनुदान-आधारित कार्यक्रम से हटकर बाजार-आधारित ढांचे की ओर बढ़ रही है, जिसका उद्देश्य पांच वर्षों में लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का कुल शहरी निवेश जुटाना है। केंद्रीय सहायता प्राप्त करने से पहले, शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या पीपीपी के माध्यम से परियोजना वित्तपोषण का कम से कम

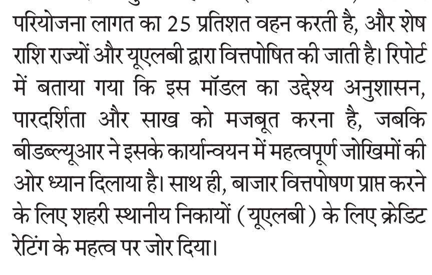

50 प्रतिशत जुटाना होगा। इसके अलावा, सरकार परियोजना लागत का 25 प्रतिशत वहन करती है, और शेष राशि राज्यों और यूएलबी द्वारा वित्तपोषित की जाती है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस मॉडल का उद्देश्य अनुशासन, पारदर्शिता और साख को मजबूत करना है, जबकि बीडब्ल्यूआर ने इसके कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण जोखिमों की ओर ध्यान दिलाया है। साथ ही, बाजार वित्तपोषण प्राप्त करने के लिए शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए क्रेडिट रेटिंग के महत्व पर जोर दिया।

अयोध्या-काशी से अलग है भोजशाला केस, लंदन में है मां सरस्वती की मूर्ति

धार, एजेंसी

सौ बात की एक बात ये कि भोजशाला पर कोर्ट के फ़ैसले की ख़बर तो पब्लिक ने सुन ली कि हाई कोर्ट ने उसको मां सरस्वती का मंदिर माना है, लेकिन ज़्यादातर लोग मां सरस्वती की उस मूर्ती का रहस्य नहीं जानते जो माना जाता है कि वहां हुआ करती थी। कहां और क्या है वो मूर्ति जो मिली भोजशाला में? धार के लोग भले ही कहानी जानते हों लेकिन बाक़ी जगहों के लोगों को ज़्यादा नहीं पता है। और ये भी ज़्यादा जानकारी नहीं है कि ये केस अयोध्या, काशी या मथुरा वाले मामले से अलग था। अब भी वैसे ये हाई कोर्ट का फ़ैसला है और मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट तो शायद जाएगा ही। तो अभी हाई कोर्ट ने इसे मां सरस्वती का मंदिर बता दिया है, मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट गया तो वहां से भी फ़ैसला आ जाएगा, लेकिन क्या राजा भोज की स्थापित मां वाग्देवी यानी मां सरस्वती की मूर्ति अब भी है? है तो कहां है?

धार से लंदन तक की कहानी

मध्य प्रदेश का धार परमार राजवंश की राजधानी हुआ करती थी आज से कोई 1000 साल पहले। वहां पर है ये भोजशाला जिसको लेकर सारा विवाद था। भोजशाला भी कहते हैं, मां वाग्देवी का मंदिर भी कहते हैं और मुसलमान इसको कमाल मौला की मस्जिद कहते आ रहे थे। लेकिन ये इमारत बाक़ी मंदिरों-मस्जिदों की तरह नहीं है क्योंकि ये प्राचीन धरोहरों का संरक्षण करने वाली एजेंसी ASI के अधीन है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के संरक्षण में है। यानी पुरातत्व विभाग। वो इसकी देखरेख करता है। और आज से नहीं। 1909 से। यानी 100 साल से भी ज़्यादा पहले से, अंग्रेज़ों के ज़माने से।

राजभोज और भोजशाला की कहानी

इसमें मंगलवार को हिंदुओं को पूजा करने की इजाज़त थी और शुक्रवार को मुसलमानों को। लेकिन विवाद बना हुआ था और फिर एक सायंटिफ़िक सर्वे करवाया गया था जिसकी रिपोर्ट दो साल पहले कोर्ट को दी गई थी और उसी के आधार पर फ़ैसला आया है। इमारत जो है वो 11वीं सदी की मानी जाती है। हिंदू पक्ष का मानना है कि ये सरस्वती मंदिर था जो परमार राजवंश के राजा भोज ने बनवाया था। राजा भोज का शासन था साल 1000 से 1055 तक। और राजा भोज के राज में संस्कृत का बहुत अध्ययन होता है। तो हिंदू पक्ष मानता है कि यहां मां वागदेवी यानी सरस्वती का मंदिर स्थापित किया गया था और ये जो पूरा कॉम्प्लेक्स जो था जिसको भोजशाला कहते हैं, ये संस्कृत अध्ययन का बड़ा केंद्र हुआ करता था। जिसको बाद में 14वीं सदी में अलाउद्दीन खिलजी से लेकर 15वीं सदी में महमूद शाह खिलजी तक ने तोड़ा और बर्बाद किया और मंदिर की जगह पर कमाल मौला मस्जिद बना दी गई थी।

भोजशाला पर मुसलमानों की दलील

मुसलमानों का पक्ष ये था कि ये सूफ़ी संत कमालुद्दीन चिश्ती की दरगाह थी, जिनकी मृत्यु 13वीं सदी में धार में ही हुई थी और उनकी मज़ार के पास ही ये मस्जिद बन गई थी। ब्रिटिश राज के टाइम धार एक रियासत हुआ करती थी और महाराजा सर उदाजी राव पुआर द्वितीय के शासनकाल में 1909 में इस कॉम्प्लेक्स को अंग्रेज़ों की ASI के संरक्षण में दे दिया गया था। आज़ादी के बाद 1951 में इसको मॉन्युमेंट ऑफ़ नैशनल इंपॉर्टेंस, राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित कर दिया गया था। और फिर इस घटनाक्रम में सबसे अहम फ़ैसला जो हुआ था वो हुआ था 2003 में जब ASI ने ये व्यवस्था की कि मंगलवार को हिंदू पूजा कर सकेंगे और शुक्रवार को मुसलमान। इस व्यवस्था से दोनों पक्ष ख़ुश नहीं थे और मामला अदालत में चल रहा था जिसपर हाई कोर्ट ने फ़ैसला सुनाया कि ये मंदिर ही था और मुसलमानों को नमाज़ पढ़ने का अधिकार नहीं होगा। लेकिन जो समझने वाली बात है वो ये कि ये केस बाक़ी मामलों से अलग कैसे था।

मां सरस्वती के सबूत

एक तो इस मामले में कोई ऐतिहासिक दस्तावेज़ नहीं था। दूसरा ये अंग्रेज़ों के ज़माने से ही पुरातत्व विभाग के पास था। और तीसरा ये कि इस विवाद ने भले ही 1992 में अयोध्या में ढांचा गिराये जाने के बाद तूल पकड़ा हो लेकिन ये विवाद 1902 से चला आ रहा था। 2024 में जो ASI का सर्वे हुआ उसकी रिपोर्ट कहती है कि ये जो खंभों पर खड़ा हुआ बड़ा हॉल है ये एक पुराने मंदिर के अवशेषों से बना हुआ दिखता है। खंभों पर हिंदू देवी-देवताओं की आकृतियां नज़र आती हैं, मां सरस्वती की स्तुति में संस्कृत में शिलालेख दिखते हैं, परमार राजवंश के समय के पत्थर मिलने की बात है और हवन कुंड दिखता है। साथ ही कमाल मौला की दरगाह भी दिखती है और फ़ारसी में लिखी हुई भी पंक्तियां नज़र आती हैं। 1902 में धार रियासत जो थी उसमें शिक्षा के अधीक्षक होते थे के। के। लेले। कहते हैं उस टाइम वहां अंग्रेज़ वायसरॉय लॉर्ड कर्ज़न को धार आना था तो उनकी यात्रा के लिए इस जगह पर एक दस्तावेज़ तैयार किया था के। के। लेले साहब ने। और भोजशाला नाम इस दस्तावेज़ में पहली बार मिलता है।

प्रमाणों के साथ साबित किया, लंदन में जो मूर्ति वो मां सरस्वती की

किताब का नाम था 'समरांगण सूत्रधार'। राजा भोज ने ये किताब लिखी थी मंदिर बनाने की विद्या पर। डॉक्टर वाकणकर 1961 में लंदन गए। ब्रिटिश म्यूज़ियम पहुंचे। वहां एक हॉल में वो चीज़ें थीं जो धार के महल से मिली थीं विलियम किंकेड को। एक मूर्ति थी। वाग्देवी की मूर्ति। डॉक्टर वाकणकर ने उसका अध्ययन किया। उसको नापा, फोटो खींचे, फिर शिलालेख पढ़े, और फिर राजा भोज की लिखी मंदिर के वास्तुशास्त्र की किताब से मैच किया। मूर्ति की मुद्रा, आभूषण, 11वीं सदी की कलाकारी। सब मैच कर रहा था। और उन्होंने सब प्रमाणों के साथ साबित कर दिया कि ये वही मूर्ति है जो ख़ुद राजा भोज ने स्थापित की थी भोजशाला में। ये भोजशाला से ना मिलकर धार के महल के खंडहर से कैसे मिली इसकी भी कई थ्योरियां हैं। लेकिन मूर्ति पर शिलालेख में राजा भोज का नाम और वाग्देवी का ज़िक्र है। और ये 11वीं सदी की शैली में बनी है, जो ठीक राजा भोज के काल से मेल खाती है। तो भोजशाला का केस भले ही अब सुप्रीम कोर्ट में चला जाए। लेकिन जिसपर विवाद नहीं है वो है मां सरस्वती की मूर्ति। कोर्ट ने भी कहा है कि भारत सरकार को वो मूर्ति लाने की कोशिश तेज़ करनी चाहिए और ब्रिटिश सरकार से बात करनी चाहिए उसके लिए। कई बार सरकार ने कोशिश तो की है लेकिन उस कोशिश का कुछ हुआ नहीं है अभी तक। क्योंकि भोजशाला मंदिर है ये तो फ़ैसला अदालत ने सुना दिया, लेकिन मंदिर की देवी को जब मंदिर में स्थान मिलेगा वही तो असली ऐसतिहासिक दिन होगा। कोहिनूर को अंग्रेज़ों से वापस लेना ये तो सब बोलते रहते हैं, लेकिन वो तो एक रत्न ही है। ये तो देवी हैं। वो धरोहर है जो निस्संदेह हमारी है, भोजशाला की है, धार की है, देश की है। सौ बात की एक बात।

न्यूज विंडो

वाणिज्य विभाग बनेगा वन-स्टॉप हब 20 दफ्तरों आएंगे एक ही छत के नीचे

नई दिल्ली। प्रशासनिक ढांचे में सुधार, कार्यक्षमता बढ़ाने और ऑपरेशनल लागत को कम करने के उद्देश्य से वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय की योजना मुंबई भर में फैले 12 संगठनों के 20 कार्यालयों का विलय करके उन्हें सिंगल इंटीग्रेटेड कैंपस में लाने की है। भविष्य में इस मॉडल को देश के अन्य हिस्सों में भी अपनाया जा सकता है।प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मुंबई में की जा रही यह कवायद उनके मंत्रालय द्वारा पूरे देश में चलाए जाने वाले एकीकरण अभियान के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम करेगी।उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद को अध्ययन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि इस तरह का एकीकरण पूरे देश में किस तरह से लागू किया जा सकता है।

भारतीय महिला टीम ने विश्व कप से पहले लिया महाकाल का आशीर्वाद

उज्जैन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और सभी खिलाड़ी भस्म आरती में भी शामिल हुईं। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार संग आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सभी खिलाड़ियों ने पूजा-अर्चना करते हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने की मनोकामना मांगी। भारतीय टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने बताया कि महाकाल के दरबार में आकर उन्हें काफी शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि वह पिछले महीने भी यहां आई थीं और भस्म आरती के दौरान बाबा के दर्शन करके उन्हें काफी सुकून मिलता है। यास्तिका ने बताया कि सभी खिलाड़ी विश्व कप से पहले भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेना चाहती थीं, ताकि टीम के लिए टूर्नामेंट शानदार गुजरे। गौरतलब है कि वनडे विश्व कप का खिताब जीतने के बाद भी भारतीय टीम ने महाकाल के दर्शन किए थे।

जापान में भूकंप के तेज झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 6.7 रही तीव्रता

टोक्यो। जापान में जोरदार भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 6.7 मापी गई। मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, इसका केंद्र नॉर्थ जापान के समुद्री क्षेत्र में 50 किलोमीटर की गहराई में था। जानकारी के मुताबिक भूकंप के झटके कई शहरों में महसूस किए गए। भूकंप का झटका लगते ही लोग घर से निकलकर भागने लगे, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। भूकंप की वजह से कई जगहों पर कुछ समय के लिए ट्रेन सेवाओं को भी रोक दिया गया ताकि किसी तरह की दुर्घटना ना हो। फिलहाल सुनामी का अलर्ट जारी नहीं किया गया है और जानमाल की किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है।टोक्यो के उत्तर में स्थित जापान के मियागी क्षेत्र के तट पर 6.7 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया है, जिसके चलते सरकार ने पांच प्रान्तों के लोगों के लिए आपातकालीन चेतावनी जारी की है। जापानी अधिकारियों ने शुक्रवार के भूकंप को 1-7 के तीव्रता पैमाने पर पांच की श्रेणी में रखा है, लेकिन उन्होंने कहा कि सुनामी का तत्काल कोई खतरा नहीं है। संचालक जेआर ईस्ट के अनुसार, भूकंप के बाद टोक्यो और शिन-आओमोरी स्टेशनों के बीच चलने वाली हाई-स्पीड रेलवे सेवा निलंबित कर दी गई थी।

चुनावी हार के बाद ममता के तीखे तेवर, बोलीं-

जो जाना चाहते हैं, वे जा सकते हैं पार्टी को फिर से खड़ा करूंगी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में चुनावी झटके के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने पार्टी को फिर से खड़ा करने का आह्वान किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जाने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। शुक्रवार को कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास पर ममता बनर्जी ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी शामिल हुए।

ममता बनर्जी ने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बावजूद संगठन एक बार फिर मजबूती से खड़ा होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों से अपील की कि वे क्षतिग्रस्त हो चुके पार्टी दफ्तरों को फिर से ठीक करें, उन्हें रंगें और दोबारा खोलें। ममता ने यहां तक कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो वह खुद भी दफ्तरों को पेंट करने में मदद करेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तृणमूल कांग्रेस कभी किसी के सामने नहीं झुकेगी। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इस चुनाव में जनता के जनादेश को लूटा गया है।

एकता का संदेश देने की कोशिश की

पार्टी के भीतर असंतोष और नेताओं के दूसरी पार्टियों में जाने की अटकलों के बीच ममता बनर्जी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह जानती हैं कि कुछ लोग पाला बदल सकते हैं। उनकी अपनी कुछ मजबूरियां हो सकती हैं, इसलिए वह किसी को भी जबरदस्ती पार्टी में रोक कर रखने में विश्वास नहीं करतीं। बैठक के बाद टीएमसी ने सोशल मीडिया पर उम्मीदवारों के साहस की सराहना की। पार्टी ने कहा कि उनके उम्मीदवारों ने डराने-धमकाने और अत्याचारों के बावजूद बहादुरी से चुनाव लड़ा। ममता बनर्जी ने इस बैठक के जरिए हार से निराश उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ाने और पार्टी में एकता का संदेश देने की कोशिश की है। उन्होंने साफ किया कि वे एकजुट होकर संघर्ष जारी रखेंगे।

चुनाव में रहा निराशाजनक प्रदर्शन

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब टीएमसी सत्ता से बाहर होकर अब विपक्ष की भूमिका में आ गई है। राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों में से पार्टी केवल 80 सीटें ही जीत पाई है। खुद ममता बनर्जी को भी अपने पुराने राजनीतिक गढ़ भवानीपुर से हार का सामना करना पड़ा। टीएमसी ने 291 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे और तीन सीटें अपने सहयोगी दल बीजीपीएम के लिए छोड़ी थीं। चुनाव में पार्टी के 211 उम्मीदवार हार गए, जिनमें कई बड़े नेता और मंत्री भी शामिल हैं।

कांगो में इबोला से 65 मौतों के बाद मचा हड़कंप

इटुरी, एजेंसी

अफ्रीका के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठन अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने पुष्टि की है कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के इटुरी प्रांत में इबोला का नया प्रकोप फैल गया है। 1976 में इस बीमारी की पहचान के बाद कांगो में ये इसका 17वां बड़ा प्रकोप माना जा रहा है। अब तक इस प्रकोप में 246 संदिग्ध मामले और 65 मौतें दर्ज की गई हैं, हालांकि इनमें से केवल 4 मौतों की ही प्रयोगशाला में पुष्टि हो सकी है, जबकि बाकी मामलों की जांच जारी है।

युगांडा और साउथ सूडान पर भी मंडराया खतरा

यह संक्रमण मुख्य रूप से इटुरी प्रांत के मोंगवालु और रवामपारा स्वास्थ्य क्षेत्रों में देखा गया है, जबकि कुछ मामले प्रांतीय राजधानी बुनिया में भी सामने आए हैं। इटुरी क्षेत्र देश के पूर्वी हिस्से में स्थित एक दूरदराज़ इलाका है, जो राजधानी किंशासा से 1000 किलोमीटर से भी अधिक दूर है। यहां सड़कें खराब होने के कारण राहत और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में बड़ी कठिनाई हो रही है। इस स्थिति में सबसे बड़ी चिंता यह है कि प्रभावित इलाके युगांडा और साउथ सूडान की सीमा के बेहद करीब हैं।

अब जगन्नाथ धाम से सूर्य मंदिर तक दौड़ेगी सीधी ट्रेन

भुवनेश्वर। तटीय ओडिशा में रेल संपर्क को मजबूत करने के लिए भारतीय रेलवे ने पुरी-कोणार्क रेल लाइन परियोजना पर काम तेज कर दिया है। यह परियोजना भुवनेश्वर, पुरी और कोणार्क को जोड़ने वाले प्रस्तावित तटीय रेल त्रिकोण की अहम कड़ी मानी जा रही है।

रेलवे बोर्ड ने 19 फरवरी 2024 को इस परियोजना को मंजूरी दी थी, जबकि 7 मार्च 2024 को इसे विशेष रेलवे परियोजना घोषित किया गया। परियोजना का क्रियान्वयन ईस्ट कोस्ट रेलवे के तहत किया जा रहा है। ईस्ट कोस्ट रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक राउत ने बताया कि 32 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित पुरी-कोणार्क रेल लाइन राज्य में धार्मिक पर्यटन और तीर्थ कनेक्टिविटी को नया आयाम देगी।इससे पुरी के जगन्नाथ धाम और कोणार्क सूर्य मंदिर के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होगा। अभी दोनों शहरों के बीच दूरी करीब 35 किलोमीटर होने के बावजूद सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है।

इंदौर में धार रोड स्थित प्लास्टिक दाना फैक्ट्री में लगी भीषण आग, आसमान में छाया धुएं का काला गुबार

इंदौर। धार रोड पर ग्राम नावदा पंथ स्थित प्लास्टिक दाना फैक्ट्री में सुबह भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल वाहन लेकर आग बुझाने के लिए फायरकर्मी पहुंचे। वहीं चंदननगर पुलिस भी मौके पर पहुंची। निगम कमिश्नर क्षितिज सिंहल भी घटनास्थल पर पहुंचे। धार रोड पर ग्राम नावदा पंथ में ड्यू ड्रॉप इरिगेशन के नाम से प्लास्टिक दाना फैक्ट्री है। मोहम्मद जावेद कुरैशी पिता अब्दुल गफ्फार इस फैक्ट्री का संचालक है। सुबह 7 बजे कारखाने में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक दाना पड़ा हुआ था, जिसने तेजी से आग पकड़ ली और काला धुआं निकलने लगा।

दस किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रहा था धुआं

आग इतनी भीषण थी कि दस किलोमीटर दूर तक कारखाने से निकलता धुआं दिखाई दे रहा था। आग लगने के बाद आसमान में काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप

मच गया और तुरंत प्रशासन और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के वाहन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। भीषण आग को बुझाने में दमकल विभाग की छह गाड़ियों ने मशक्कत की। दो-तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग को बुझाया जा सका।

मेट्रो एंकर | **डेटा चोरी और जासूसी की आशंका के चलते अमेरिकी डेलिगेशन ने लिया फैसला**

चीन से मिले गिफ्ट डस्टबिन में फेंककर रवाना हुए डोनल्ड ट्रम्प

बीजिंग, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की तीन दिनों की चीन यात्रा भले ही समाप्त हो चुकी है, लेकिन उनकी वापसी से जुड़ा एक बेहद हैरान करने वाला वाकया सामने आया है। डेटा चोरी और जासूसी की गहरी आशंका के चलते अमेरिकी डेलिगेशन ने एयर फोर्स वन में कदम रखने से पहले ही चीनी अधिकारियों द्वारा दिए गए सारे तोहफे और इलेक्ट्रॉनिक सामान या तो नष्ट कर दिए गए या फिर उन्हें वहीं छोड़ दिया।

ग्राउंड रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्वदेश लौटने की तैयारी के बीच अमेरिकी टीम ने उन सभी चीजों को एक जगह इकट्ठा किया जो उन्हें चीनी मेजबानों से भेंट स्वरूप मिली थीं। इनमें वाइट हाउस के कर्मचारियों को इस्तेमाल के लिए दिए गए खास बर्नर फोन, डेलिगेशन पिन और क्रेडेंशियल्स जैसी कई अन्य चीजें शामिल थीं।सुरक्षा के मद्देनजर इन सभी सामानों को अमेरिका ले जाने के बजाय, उड़ान भरने से ठीक पहले कूड़ेदान में फेंक दिया गया या पूरी तरह नष्ट कर दिया गया।

विमान में चीन का कोई भी सामान ले जाने की सख्त मनाही

अमेरिकी प्रेस टीम के साथ यात्रा कर रहीं न्यूयॉर्क पोस्ट की पत्रकार एमिली गुडिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस वाकये की पुष्टि की। उन्होंने अपने पोस्ट में स्पष्ट लिखा कि हमें विमान के अंदर चीन से जुड़ा कोई भी सामान ले जाने की अनुमति नहीं है। हम जल्द ही अमेरिका के लिए उड़ान भरने वाले हैं।हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम और सामान नष्ट किए जाने की खबरों पर वाइट हाउस या ट्रंप प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

इंटेलिजेंस प्रोटोकॉल का है हिस्सा

कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि यह कोई मनमाना फैसला नहीं था, बल्कि यह अमेरिका की 'हाई-लेवल काउंटर-इंटेलिजेंस' और सुरक्षा रणनीति का एक अहम हिस्सा है।दरअसल, जब भी अमेरिकी अधिकारी किसी ऐसे देश के दौरे पर जाते हैं जहां जासूसी का खतरा हो, तो प्रोटोकॉल के तहत वे वहां मिले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संवेदनशील चीजों को नष्ट कर देते हैं। इससे ट्रैकिंग, बगिंग या डेटा हैकिंग की कोई गुंजाइश नहीं बचती।

9 साल बाद चीन पहुंचे थे ट्रंप

आपको बता दें कि डोनल्ड ट्रंप लगभग नौ सालों के लंबे अंतराल के बाद चीन के दौरे पर गए थे। इस यात्रा के दौरान उनकी चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से सातवीं बार आमने-सामने की मुलाकात हुई। सुरक्षा से जुड़ा यह कड़ा कदम झोंगनानहाई लीडरशिप कंपाउंड में दोनों नेताओं की अंतिम दौर की बैठकों के बाद उठाया गया। यह वही ऐतिहासिक और बेहद सुरक्षित परिसर है, जहां बैठक के बाद दोनों दिग्गजों ने सदियों पुराने पेड़ों और पारंपरिक चीनी वास्तुकला के बीच कुछ वक्त टहलते हुए बिताया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564